● सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 312, पृष्ठ : 08, सीधी, मंगलवार, 31 दिसम्बर 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र हक की बात, बुलंदी के साथ

# विन्ध्य टाइगर

खुद के गिरेबान में झांके कांग्रेस : पुरी 5

मेलबर्न टेस्ट हारा भारत 6

# सरकार की जन हितैषी योजनाओं का मिले सबको लाभ : डॉ. यादव

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सभी विधायक अपनी-अपनी विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित होकर कार्य करें। जनता के काम समय पर हों, हम सबको इसकी चिंता करनी होगी। इसलिए सभी विधायक अपनी विधानसभा का अगले 5 साल का मास्?टर प्लान बनाएं, जिससे क्षेत्र का योजनाबद्ध विकास हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में ग्वालियर एवं चंबल संभाग की समीक्षा बैठक में वर्चुअली जुड़े स्थानीय जन-प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

बैठक में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग जन कल्याण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला, क्षेत्रीय विधायिका सुश्री सरला रावत, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, ग्वालियर संभाग के प्रभारी अपर मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णवाल, चंबल संभाग के प्रभारी अपर मुख्य सचिव श्री मनु श्रीवास्तव सहित अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन, प्रमुख सचिव श्री संजय शुक्ल, प्रमुख सचिव श्री दीपाली रस्तोगी, प्रमुख सचिव श्री विवेक पोरवाल सहित अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए जनता को बेहतर सेवाएं देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसमें किसी प्रकार की उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने दोनों संभागों में चल रहे एवं लंबित विकास कार्यों की गहनता से समीक्षा कर कहा कि निर्माण कार्य तय वक्त पर ही पूरे करें, जिससे आमजन को समय पर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 11 दिसम्बर से 26 जनवरी, 2025 तक जनकल्याण अभियान चलाया जा रहा है। %आपकी सरकार-आपके द्वार% की भावना को अंगीकृत कर सरकार ने जन-जन तक पहुंचने का अभियान चलाया है। सभी विधायक और अधिकारी सुनिश्चित करें कि सरकार की जन हितैषी योजनाओं का लाभ प्रभावितों पर पहुंचे। इसके लिए सभी विधायक और अधिकारी घर-घर तक जाएं और अभियान की प्रगति का स्वयं अवलोकन करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने विभागीय मैदानी अमले को सतर्क करें और सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकार की सेवाओं, सुविधाओं, योजनाओं एवं विकास कार्यक्रमों का लाभ पाने से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर के जेसी मिल्स के मजदूरों का भुगतान लंबित होने की जानकारी मिली है। कलेक्टर ग्वालियर एवं संबंधित राजस्व अधिकारी जल्द से जल्द जरूरी कार्यवाही पूरी कर इन मजदूरों को उनका लंबित भुगतान प्रदान करें। उन्होंने कहा कि जेसी मिल्स का कोई भी मजदूर उसके वाजिब हक या दावा भुगतान पाने से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुना जिले के राघौगढ़ में हुई बोरवेल दुर्घटना पर संज्ञान लेकर कलेक्टर गुना से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बोरवैल में गिरने से बालक की मृत्यु बेहद दुःखद है। सभी कलेक्टर यह सुनिश्चित करें कि इस प्रकार की दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति न होने पाए। सरकार किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने सभी कलेक्टर को निजी परिसर में भी खुले पड़े बोरवैलों को बंद करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अपने मैदानी अमले को मुस्तैद करें और बोरवेल खुले न छोड़े जाएं इसके लिए समाज में जन-जागरूकता का प्रसार भी करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिये हैं कि गौ-वंश के लिए चारे की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करें। नगरपालिका एवं नगर निगम अपनी-अपनी सीमा क्षेत्र में छोटी गौ-शालाओं का समुचित प्रबंधन करें। बड़ी गौ-शालाओं के लिए राज्य सरकार प्रबंधन की व्यवस्था करेगी।

# सुरक्षा मामले में भारत भाग्यशाली नहीं, दुश्मन अंदर भी हैं, बाहर भी : राजनाथ

## पिछले 10 साल में डिफेंस एक्सपोर्ट 21 हजार करोड़ हुआ

**भोपाल।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, सुरक्षा के मोर्चे पर भारत बहुत भाग्यशाली देश नहीं है। हमारी सेना उत्तरी और पश्चिमी सीमा लगातार चुनौतियों का सामना कर रही है। हम शांत, बेफिक्र होकर नहीं बैठ सकते। हमारे दुश्मन, चाहे अंदर हों या बाहर, वे हमेशा एक्टिव रहते हैं।

रक्षा मंत्री मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में स्थित 200 साल से ज्यादा पुरानी महू छावनी के दो दिन के दौरे पर हैं। आज दूसरे दिन आर्मी वॉर कॉलेज में उन्होंने कहा कि देश में बने उपकरण एक्सपोर्ट किए जा रहे हैं। 10 साल पहले डिफेंस एक्सपोर्ट 2 हजार करोड़ रुपए था जो आज बढ़कर 21 हजार करोड़ के पार हो गया है। हमारा लक्ष्य इसे 2029 तक 50 हजार करोड़ करने का है।

उन्होंने कहा कि इस समय दुनिया में कई तरीकों से युद्ध हो रहे हैं। आज इंफॉर्मेशन वॉर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेस्ड वॉर, प्रॉक्सी वॉर, इलेक्ट्रोमेगनेटिक वॉर, स्पेस वॉर और साइबर अटैक सभी देशों के लिए बड़ी चुनौती बन गए हैं। उन्होंने इसके लिए सेना को विशेष रूप से तैयार रहने की बात कही।

सिंह ने महू के ट्रेनिंग सेंटर की तारीफ करते हुए कहा कि ट्रेनिंग सिलेबस में लगातार बदलाव करके जवानों को प्रशिक्षित किया गया है। आने वाले समय में सेनाएं एक साथ मिलकर बेहतर तरीके से चुनौतियों से निपटने में सक्षम होंगी।

दौरे के पहले दिन राजनाथ ने सेना के जवानों को संबोधित करते हुए कहा था कि हमें दुश्मनों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखनी चाहिए। उनके खिलाफ सही समय पर बेहतर और प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

चीन के साथ भारत की 3 हजार 488 किमी लंबी सीमा भारत की चीन के साथ 3 हजार 488 किमी लंबी सीमा लगती है, जो तीन सेक्टर्स- ईस्टर्न, मिडिल और वेस्टर्न में बंटी हुई है। ईस्टर्न सेक्टर में सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश की सीमा चीन से लगती है, जिसकी लंबाई 1 हजार 346 किमी है। मिडिल सेक्टर में हिमाचल और उत्तराखंड है, जिसकी लंबाई 545 किमी है। और वेस्टर्न सेक्टर में लद्दाख आता है, जिसके साथ चीन की 1 हजार 597 किमी लंबी सीमा है। चीन अरुणाचल प्रदेश के 90 हजार स्क्वायर किमी के हिस्से पर अपनी दावेदारी करता है।

### एलजी का आतिशी को पत्र

# ढाई साल में पहली बार सीएम का काम देखा, केजरीवाल ने आपका, मेरा और राष्ट्रपति का अपमान किया

**नई दिल्ली।** दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को सोमवार को एक पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने अरविंद केजरीवाल द्वारा उनका अपमान किए जाने से आहत होने की बात कही गई है। पत्र में उपराज्यपाल ने लिखा है, सर्वप्रथम मैं आपको आगामी नव वर्ष 2025 के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं। मेरी कामना है कि आप सदैव स्वस्थ रहें और प्रगति के पथ पर अग्रसर हों। आपको मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाने के अवसर पर भी मैंने आपको दिल से बधाई और शुभकामनाएं दी थीं और तब से अब तक की अवधि में, मैंने अपने ढाई साल के कार्यकाल में पहली बार मुख्यमंत्री पद पर आसीन व्यक्ति को मुख्यमंत्री का काम करते देखा। जहां आपके पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री के पास सरकार का एक भी विभाग नहीं था और न ही वह फाइलों पर हस्ताक्षर किया करते थे, वहीं आपने अनेक विभागों का दायित्व लेते हुए प्रशासन के विभिन्न मुद्दों पर काम करने का प्रयास किया। परन्तु कुछ दिन पूर्व, आपके पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल द्वारा मीडिया में आपको सार्वजनिक रूप से एक अस्थायी-काम चलाऊ मुख्यमंत्री घोषित किया जाना मुझे बहुत आपत्तिजनक लगा और मैं इससे आहत हुआ। यह न केवल आपका अपमान था, बल्कि आपकी नियोक्ता महामहिम भारत की राष्ट्रपति और उनके प्रतिनिधि के रूप में, मेरा भी अपमान था। अस्थायी अथवा काम चलाऊ मुख्यमंत्री की जो सार्वजनिक व्याख्या केजरीवाल ने की, उसका कोई संवैधानिक प्रावधान नहीं है और यह बाबा साहब आम्बेडकर द्वारा रचित संविधान में निहित लोकतांत्रिक भावना और मूल्यों की निंदनीय अवहेलना भी है।

# आरजीपीवी स्पोर्ट्स कांप्लेक्स निर्माण में हुए भ्रष्टाचार को लेकर एबीवीपी ने किया प्रदर्शन

**भोपाल।** राजधानी भोपाल स्थित आरजीपीवी विश्वविद्यालय में स्पोर्ट कंपलेक्स निर्माण में हुए आर्थिक भ्रष्टाचार को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने सोमवार को प्रदर्शन किया इस दौरान उन्होंने दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण में हुए आर्थिक भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हुए कुलपति के नाम ज्ञापन सौंपा। एबीवीपी ने छह दिन के भीतर दोषियों के खिलाफ उचित दंडात्मक और वैधानिक कार्रवाई की मांग की।

# डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर नहीं होना चाहिए कोई विवाद

## बहन शर्मिष्ठा के आरोपों पर अभिजीत मुखर्जी

**नई दिल्ली।** पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद से लगातार सियासत जारी है। कभी स्मारक स्थल, कभी अस्थियां विसर्जन तो कभी कांग्रेस की बैठक पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के बेटे अभिजीत मुखर्जी ने सोमवार कहा कि डॉ. सिह के निधन पर कोई विवाद नहीं होना चाहिए।

बता दें, अभिजीत का बयान इस मायने में अहम है क्योंकि उनकी बहन शर्मिष्ठा ने चार साल पहले 2020 में प्रणब मुखर्जी के निधन के बाद कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक न बुलाए जाने को लेकर पीड़ा साझा की थी। उन्होंने कांग्रेस की आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा था कि उनके पिता और पूर्व राष्ट्रपति के निधन पर कांग्रेस ने एक शोक सभा आयोजित करने की जहमत भी नहीं उठाई थी। प्रणब मुखर्जी के बेटे ने कहा, डॉ. मनमोहन सिंह जैसे व्यक्ति की मौत को लेकर कोई विवाद नहीं होना चाहिए। वह एक अर्थशास्त्री और एक व्यक्तित्व थे, जिनकी जितनी सराहना की जाए उतनी कम होगी। मेरे पिता की भाषा में मनमोहन सिंह एक सज्जन इंसान थे। मैंने कभी उन्हें गुस्सा होते नहीं देखा। जब भी मैंने उनसे मुलाकात की वह मुस्कराते हुए ही मिले। वह एक सुखदायक व्यक्तित्व और पिता तुल्य थे। अभिजीत मुखर्जी ने कहा, जब भारतीय अर्थव्यवस्था मंदी में थी, तब उन्होंने उसे स्थिर किया, उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव रखी। डॉ. मनमोहन सिंह जैसा सुधारक शायद फिर कभी नहीं आएगा। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने रविवार को आरोप लगाया था कि कांग्रेस में गिरावट आ गई है और पार्टी को दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति पर आत्ममंथन करने की जरूरत है। उन्होंने पार्टी की मौजूदा स्थिति पर अफसोस जताते हुए कहा था कि आज कई पुराने कांग्रेस कार्यकर्ता खुद को पार्टी से अलग-थलग महसूस कर रहे हैं, क्योंकि शीर्ष नेताओं में विचारधारा की कमी है।

# निरंजनी अखाड़े की धर्म ध्वजा, अनुष्ठान शुरू

**प्रयागराज।** पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी अखाड़े ने सोमवार को हर हर महादेव के जयकारे के साथ महाकुंभ क्षेत्र में अखाड़े की आन बान और शान 52 फिट ऊंची गेरूआ धर्मध्वजा स्थापित कर दी। इस अवसर पर निरंजनी अखाड़े से जुड़े संत महात्माओं ने बैंड बाजा की भक्तिमय धुनों के बीच धर्मध्वजा का विधि पूर्वक मोरपंख, रुद्राक्ष की माला, तिलक, चंदन के साथ ही रोली आदि से पूजन किया गया। इसके बाद संतों ने हर हर महादेव के जयघोष किया। इस मौके पर मौजूद संतो ने बताया कि श्री पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी अखाड़े की स्थापना 726 ईस्वी में गुजरात के मांडवी में हुई थी।

# सरकारी योजना के लाभार्थी किसी को पैसे न दें : ममता

**कोलकाता।** इसी साल जनवरी में उपजे विवाद के 11 महीने से भी अधिक समय बीतने के बाद आज मुख्यमंत्री ममता बनर्जी संदेशखाली पहुंचीं। उन्होंने राज्य सरकार की तरफ से संचालित योजनाओं का लाभ पाने के लिए पैसों का भुगतान न करने की अपील की। उन्होंने कहा कि योजनाओं का संचालन राज्य सरकार कर रही है। सीधे बैंक खातों के माध्यम से लाभार्थियों को उनके हक का पैसा मिल रहा है। सीएम ममता ने कहा कि पैसा जनता का है और इस पर उनका पूरा अधिकार है।

उत्तर 24 परगना के संदेशखाली में 30 दिसंबर को पहुंचीं ममता बनर्जी ने सार्वजनिक वितरण कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सरकार कल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही है। इनका लाभ सीधे बैंक खातों में भेजा जा रहा है।

# बीजेपी का डबल इंजन युवाओं पर डबल अत्याचार का प्रतीक : प्रियंका

**नई दिल्ली।** कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे प्रदर्शनकाारियों पर लाठीचार्ज को लेकर सरकार पर जमकर हमला बोला। वायनाड से सांसद प्रियंका ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का डबल इंजन युवाओं पर डबल अत्याचार का प्रतीक बन गया है।

दरअसल, बीपीएससी की 13 दिसंबर को हुई परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर पटना में विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने रविवार को पानी की बौछार की और हल्का बल भी प्रयोग किया। इसके साथ ही जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी के अध्यक्ष समेत 600-700 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। प्रियंका गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, बिहार में तीन दिन के अंदर दूसरी बार छात्रों पर अत्याचार किया गया। परीक्षाओं में भ्रष्टाचार, धांधली, पेपर लीक रोकना सरकार का काम है। लेकिन भ्रष्टाचार रोकने की जगह छात्रों को आवाज उठाने से रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कड़ाके की ठंड में युवाओं पर पानी की बौछार और लाठी चार्ज करना अमानवीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का डबल इंजन युवाओं पर डबल अत्याचार का प्रतीक बन गया है। बीपीएससी की संयुक्त प्राथमिक परीक्षा 13 दिसंबर 2024 को आयोजित हुई। इस परीक्षा का विज्ञापन सितंबर 2024 को जारी हुआ था और परीक्षा में 4,83,000 उम्मीदवारों ने आवेदन किया, जिनमें से 3,25,000 उम्मीदवारों ने परीक्षा दी। यह परीक्षा बिहार लोकसेवा आयोग के तहत 2031 पदों पर भर्तियों के लिए हुई, जिनमें 200 पद एसडीएम, 136 पद डीएसपी और अन्य गजेटेड अधिकारियों के पद शामिल हैं। हालांकि परीक्षा होने से पहले 6 दिसंबर को परीक्षा को लेकर विवाद शुरू हो गया। यह विवाद परीक्षा के सामान्यीकरण को लेकर हुआ। छात्रों ने आरोप लगाया कि बिहार लोकसेवा आयोग परीक्षा में सामान्यीकरण प्रक्रिया को लागू कर सकता है।

### करप्शन किंग का आलीशान साम्राज्य

# सौरभ शर्मा के खाते में करोड़ों रुपये, मिली 23 करोड़ की प्रॉपर्टी

**भोपाल।** परिवहन विभाग के पूर्व सिपाही सौरभ शर्मा को लेकर लगातार नए-नए खुलासे हो रहे हैं। इसके साथ ही एजेंसियों का शिकंजा सौरभ शर्मा पर कसता जा रहा है। प्रवर्तन निदेशालस (ईडी) के भोपाल जोनल कार्यालय ने पीएमएलए एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। 27 दिसंबर को ईडी ने सौरभ शर्मा के सहयोगी चेतन सिंह गौर, शरद जायसवाल और रोहित तिवारी के भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर स्थित आठ ठिकानों पर कार्रवाई की थी। ईडी ने यह कार्रवाई लोकायुक्त की दर्ज प्राथमिकी के आधार पर शुरू की है। ईडी की छापेमारी में सामने आया है कि सौरभ शर्मा ने अपने परिवार के सदस्यों और संबंधित फर्मों/ कंपनियों के नाम पर करोड़ों रुपये की अनुपातहीन संपत्ति अर्जित की है। ईडी की छापेमारी में सौरभ के सहयोग चेतन सिंह गौर के नाम पर छह करोड़ रुपये से अधिक के फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) मिली है।

# 43 साल बाद खुला गौरीशंकर मंदिर का गर्भगृह

**मुरादाबाद।** मुरादाबाद के झब्बू का नाला मोहल्ले में स्थित गौरीशंकर मंदिर का गर्भगृह 43 साल बाद सोमवार को खोल दिया गया। 1980 के दंगों के दौरान पुजारी की हत्या के बाद मंदिर को बंद कर दिया गया था। मंदिर के पुजारी के पोते ने डीएम को अर्जी देकर इसे दोबारा खुलवाने की मांग की थी। प्रशासन ने तीन दिन पहले मौके का निरीक्षण कर मंदिर की स्थिति का आकलन किया। सोमवार को पुलिस और प्रशासन की कड़ी सुरक्षा के बीच मंदिर की दीवारों को तोड़कर खोदाई शुरू की गई। खोदाई में मंदिर के गर्भगृह से मूर्तियां मिली हैं। मंदिर के आसपास सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

# चंद्रबाबू नायडू सबसे अमीर मुख्यमंत्री

## सबसे कम संपत्ति वाले सीएम के पास हैं सिर्फ 15 लाख रुपए

**नई दिल्ली।** एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा सोमवार को एक रिपोर्ट जारी कर देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्री और सबसे कम संपत्ति रखने वाले मुख्यमंत्री का डेटा जारी किया है। एडीआर के मुताबिक,आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू 931 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ भारत के सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं, जबकि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सिर्फ 15 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सबसे कम संपत्ति वाली मुख्यमंत्री हैं। एडीआर ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि, प्रति मुख्यमंत्री की औसत संपत्ति 52.59 करोड़ रुपये है। भारत की प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्टीय आय 2023-2024 में लगभग 1,85,854 रुपये थी, जबकि एक मुख्यमंत्री की औसत आमदनी 13,64,310 रुपये है, जो भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय का लगभग 7.3 गुना है। एडीआर के डेटा के मुताबिक, देश के 31 मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति 1,630 करोड़ रुपये है। एडीआर की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू 332 करोड़ रुपये से अधिक की कुल संपत्ति के साथ दूसरे सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं। वहीं कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया 51 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सिर्फ 15 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सबसे कम संपत्ति वाली मुख्यमंत्री हैं।

# 2025 में अर्थव्यवस्था में सुधार की उम्मीद

## गवर्नर बोले-हम वित्तीय स्थिरता बनाए रखने की कोशिश कर रहे

**नई दिल्ली।** केंद्रीय बैंक की ओर से विकास के मुकाबले महंगाई को तवज्जो दिए जाने के कारण सरकार की आलोचना का सामना कर रहे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को दावा किया कि 2025 में उपभोक्ता खपत बढ़ने और कारोबारी विश्वास मजबूत होने से भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावनाएं बेहतर होने की उम्मीद है।

वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट की प्रस्तावना में मल्होत्रा ने कहा, हम भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए उच्चतर विकास पथ को समर्थन देने के लिए वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। हमारा ध्यान वित्तीय संस्थानों की स्थिरता और अधिक व्यापक रूप से प्रणालीगत स्थिरता बनाए रखने पर केंद्रित है। उन्होंने आगे कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में गति पकड़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, वैश्विक वृहद-वित्तीय लोकाचार पर छाई अनिश्चितताओं के बावजूद, 2024-25 की पहली छमाही में आर्थिक गतिविधि की गति में मंदी के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावनाओं में सुधार होने की उम्मीद है। इस महीने की शुरूआत में 26वें गवर्नर

के रूप में कार्यभार संभालने वाले मल्होत्रा ने कहा, आने वाले वर्ष के लिए उपभोक्ता और कारोबारी विश्वास उच्च बना रहेगा तथा निवेश परिदृश्य बेहतर होगा, क्योंकि कंपनियां मजबूत बैलेंस शीट और उच्च लाभप्रदता के साथ 2025 में प्रवेश करेंगी।

पहली छमाही में वृद्धि में नरमी के मुद्दे को उठाते हुए वित्त मंत्रालय ने नवंबर की मासिक आर्थिक समीक्षा में चिंता जताई थी और कहा था कि इस संभावना से इंकार नहीं किया जाना चाहिए कि संरचनात्मक कारकों ने भी पहली छमाही में मंदी में योगदान दिया हो। भारत ने सितंबर 2024 को समाप्त दूसरी तिमाही के लिए जीडीपी वृद्धि में मंदी दर्ज की। वृद्धि दर सात तिमाहियों के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर आ गई। पहली छमाही में, जीडीपी वृद्धि दर 6 प्रतिशत थी। मल्होत्रा ने आगे कहा कि भारत में वित्तीय क्षेत्र के नियामक भी सुधारों को तेज कर निगरानी को चौकस रहे हैं। वित्तीय प्रणाली मजबूत आय, क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों के निम्न स्तर और मजबूत पूंजी बफर्स से मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि तनाव परीक्षण के परिणाम बताते हैं कि बैंकिंग प्रणाली के साथ-साथ गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) क्षेत्र का पूंजी स्तर प्रतिकूल तनाव परिदृश्यों में भी संतोषजनक रहेगा। उन्होंने कहा, हम भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों का समर्थन करने के लिए जनता का विश्वास और भरोसा बनाए रखने के लिए काम कर रहे हैं। हम एक आधुनिक वित्तीय प्रणाली विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो ग्राहक-केंद्रित, तकनीकी रूप से उन्नत और वित्तीय रूप से समावेशी हो।

# आवारा पशुधन की गंभीर समस्या और समाधान की आवश्यकता

**पन्ना।** देवेंद्रनगर और पूरे मध्यप्रदेश में बढ़ते आवारा पशुधन की समस्या आम जनता के लिए एक गंभीर संकट बन चुकी है। सड़कों पर आवारा गाय, बैल और अन्य जानवरों का घूमना न केवल सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन रहा है, बल्कि यह व्यापार, कृषि और नागरिकों की सामान्य दिनचर्या में भी रुकावट उत्पन्न कर रहा है। इस समस्या का सबसे अधिक असर देवेंद्रनगर की सब्जी मंडी पर पड़ रहा है, जहां आवारा पशु दुकानदारों की दिनचर्या और व्यापार को बाधित कर रहे हैं।

आवारा पशु विशेष रूप से सड़क पर चलने वाले लोगों के लिए खतरा बन गए हैं। मोटरसाइकिल, साइकिल और रिक्शा पर सवार लोग इन जानवरों से टकरा जाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ रही है। खासकर बच्चे जो पैदल स्कूल जाते हैं और महिलाएं जो घर से बाहर काम या मंदिर जाने के लिए निकलती हैं, उन्हें इन जानवरों से डर सताता है। कई बार ये जानवर अचानक सड़कों पर आकर खड़े हो जाते हैं, जिससे वाहन चालकों को नियंत्रण खोने की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। देवेंद्रनगर की सब्जी मंडी में यह समस्या विशेष रूप से गंभीर हो गई है। यहां के दुकानदारों को आवारा पशुओं के कारण रोजाना नुकसान उठाना पड़ रहा है। इन जानवरों का मंडी में घुसकर दुकानों की सब्जियों को नष्ट करना एक आम समस्या बन गई है। दुकानदार अपनी पूरी ऊर्जा इन जानवरों को भगाने में लगाते हैं, लेकिन फिर भी उनका नुकसान नहीं रुकता। सब्जी मंडी में जानवरों के आतंक ने व्यापारियों के जीवन को कठिन बना दिया है, जिससे उनका व्यापार प्रभावित हो रहा है और उन्हें मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है।

आवारा पशु किसानों के लिए भी एक बड़ी चुनौती बन चुके हैं। खेतों में काम करने वाले किसान अपनी फसलों को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, क्योंकि गाय, बैल और अन्य जानवर खेतों में घुसकर फसलों को तबाह कर देते हैं। किसान पहले से ही मौसम, सरकार की कमीशन योजनाओं और अन्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, अब आवारा जानवर उनकी मेहनत पर पानी फेर रहे हैं।

आवारा जानवरों की गंदगी फैलाने की आदत ने नगर की सफाई व्यवस्था को भी प्रभावित किया है। ये जानवर सड़कों पर कचरा फैलाते हैं, जिससे नगर की सफाई व्यवस्था बिगड़ जाती है। इसके साथ ही, आवारा जानवर सड़कों पर रुककर ट्रैफिक जाम की स्थिति पैदा करते हैं। इससे नागरिकों को घंटों तक जाम में फंसे रहना पड़ता है, और उनकी दिनचर्या बाधित हो जाती है।

सदियों से गोवंश की पूजा और सेवा सनातन धर्म का अभिन्न हिस्सा रही है। हमारी धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गाय को पूजनीय और मातरूप माना गया है। भारत में विभिन्न पंथों और धर्मों के अनुयायी गोवंश की सेवा करते आए हैं। लेकिन आज, सरकार की केवल भाषणबाजी और कागजी नीतियों के कारण यही गोवंश सड़कों पर घूमते हुए, जगह-जगह डंडे खाते हुए दिखाई दे रहे हैं। पहले के समय में, जहां गोवंश को सम्मान और प्यार मिलता था, वहीं अब यह स्थिति बदल गई है। सरकार की अदूरदर्शिता और केवल वोट बैंक की राजनीति ने गोवंश के प्रति लोगों के मन में नफरत और परेशानियां बढ़ा दी हैं। जिन नीतियों को लेकर सरकार केवल भाषण देती है, उनका धरातल पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। इससे गोवंश के प्रति सम्मान और प्यार घट रहा है और इसके परिणामस्वरूप समाज में इससे जुड़ी समस्याएं और बढ़ती जा रही हैं।

इन समस्याओं से निपटने के लिए सरकार को तत्काल एक ठोस और समग्र योजना बनानी चाहिए। कुछ महत्वपूर्ण कदम निम्नलिखित हो सकते हैं- 1. आवारा पशुओं के लिए आश्रय स्थलरू सरकार को हर नगर में सुरक्षित आश्रय स्थल बनानी चाहिए, जहां इन जानवरों की देखभाल और सुरक्षा की जा सके। इससे सड़कों पर जानवरों का घूमना कम होगा और दुर्घटनाओं की संख्या घटेगी। 2. नसबंदी और नियंत्रण कार्यक्रमरू आवारा जानवरों की संख्या में वृद्धि को रोकने के लिए नसबंदी कार्यक्रम को सक्रिय रूप से लागू किया जाना चाहिए। इसके साथ ही, उन जानवरों के मालिकों पर सख्त नियम लागू किए जाएं, जो अपने पशुओं को सड़कों पर छोड़ते हैं। 3. किसानों के लिए सुरक्षा उपायरू किसानों के खेतों को आवारा जानवरों से बचाने के लिए बाड़ेबंदी और अन्य सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है। इस पर सरकारी योजनाओं के तहत मदद प्रदान की जानी चाहिए। 4. सचेतना अभियानरू नागरिकों को आवारा जानवरों के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए। अगर हर नागरिक अपने स्तर पर इन जानवरों को सड़कों पर छोड़ने से बचाए, तो इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

मध्यप्रदेश सरकार ने जानवरों की सेवा और सुरक्षा के लिए कई पहल की हैं, लेकिन इन योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन अभी भी अपर्याप्त है। खासकर देवेंद्रनगर जैसे छोटे शहरों में, जहां आवारा पशुओं की समस्या से आम जनता परेशान है, इन योजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन बहुत जरूरी है। समाज सेवियों द्वारा गौशाला स्थापित की गई है और दिन-रात मेहनत करके इसके स्वरूप को बढ़ाया जा रहा है, लेकिन प्रशासन का अपेक्षित सहयोग न मिलने के कारण समस्या बनी हुई है। सरकार को आवारा पशुओं से उत्पन्न समस्याओं को हल करने के लिए एक ठोस और समग्र योजना बनानी चाहिए, ताकि नागरिकों की दिनचर्या प्रभावित न हो और इन जानवरों का संरक्षण भी सुनिश्चित हो सके।

# खरीदी केन्द्रों में बारिश होने से लाखों की धान बर्बाद

## गुनौर के आस पास झमा झम बारिश से किसानों को राहत यूरिया की मांग बढ़ेगी

**गुनौर।** बारिश से न केवल मिट्टी में नमी आई है, बल्कि इससे गेहूं की फसल की बुआई के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं। इसके अलावा सरसों और सब्जियों सहित सभी फसलों पर भी इस बारिश का सकारात्मक असर पड़ेगा। अब समय पर झमा झम बारिश से फसल के लिए, यूरिया खाद की मांग बढ़ेगी जिससे किसानों एक तरफ खुशी है तो एक तरफ चिंता भी सता रही है कि समय पर यूरिया नही मिली तो फसल को वर्षा का सही लाभ नहीं मिल सकेगा। चुकीं शनिवार रविवार अवकाश होने के चलते समय पर खाद नही मिल सकेगी ओर दुकानों से खरीदने पर अधिक पैसा खर्च करना पड़ सकता है। फिर भी किसानों के चेहरे में खुशी देखने को मिल रही है और उम्मीद है की किसान लोगों की मेहनत रंग लाएगी और फसलों का अच्छा उत्पादन होगा।

गुनौर क्षेत्र में लग-भग सभी धान खरीदी केन्द्रों में बारिश से बचाव की उचित व्यवस्था न होने के कारण सरकार को लाखों रुपए का चूना लगा है। कुछ केन्द्रो में चट्टा लगा कर त्रिपाल से ढकने की व्यवस्था आश्र फाश्र में की गई वहीं किसानों के चेहरे पर भी कहीं ना कहीं चिंता की लकीरें दिख रही थी।

# मयूर जोशी ने 36 वीं वार किया खून दान, बचाई जच्चा-बच्चा की जान

**पन्ना।** मध्य प्रदेश के पन्ना जिला अस्पताल में भर्ती गर्भवती महिला श्रीमती सोमवती यादव पति चतुरेश उर्फ कल्लू यादव उम्र 21 वर्ष निवासी पुखरा इटवा खास को ओ पॉजिटिव खून की अत्यंत जरूरत थी। उनके घर परिवार में कोई भी व्यक्ति खून दान करने में सक्षम नहीं था। जिसके बाद उनके परिजनों द्वारा जानकारी समाजसेवी को दूरभाष के माध्यम से दी गई। सूचना पाते ही समाजसेवी द्वारा पन्ना शहर के समाजसेवी मयूर जोशी जी को गर्भवती महिला के संबंध में जानकारी दी गई। वह बिना कोई बिलम्ब किये जिला अस्पताल पन्ना पहुंचे और आज उन्होंने छत्तीसबी बार स्वेच्छा से खूनदान करने का पुनीत कार्य किया है। रक्तदान दाता मयूर जोशी ने कहा कि रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं होता है। जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए प्रत्येक परिवार के सदस्य को खून दान करना चाहिए। जो व्यक्ति अपने सगे संबंधियों को भी खून दान नहीं करते हैं उनसे यही आग्रह है कि वह अपने आप को बीमारियों का बुलावा दे रहे हैं। क्योंकि खून दान करने से हृदय घात संबंधी बीमारी से बचाव होता है साथ ही ब्रेन हेमरेज और ब्लड प्रेशर जैसी गंभीर बीमारियां शरीर में नहीं पनपतीं हैं। इसलिए साल में दो बार जरूर रक्तदान करें। रक्तदान के इस पुनीत कार्य में समाजसेवी एवं बस परिचालक विमल यादव का सराहनीय योगदान रहा है।

# कब खुलेंगे हर कार्यालय की तरह पंचायत कार्यालय

## आम आदमी को योजनाओं की जानकारी पटल पर समय-समय पर प्रचार प्रसार पर हो प्रमुखता

**पन्ना।** जिले में वर्तमान हालात जहां ग्रामीण क्षेत्रों की बात करें तो पंचायतों के कार्यालयों से विकास की दिशा शुरू होती है पर आज भी पंचायत कार्यालय प्रतिदिन अन्य कार्यालयों की तरह क्यों नहीं खोले जाते आखिरकार जहां प्रतिमाह वेतन पंचायत सचिव हो या रोजगार सहायक जब सभी को शासन के द्वारा प्रावधान निहित किया गया है तो ग्रामीण क्षेत्रों में जैसे शासकीय विद्यालय, आंगनवाड़ी खुलती है तो फिर पंचायत कार्यालय क्यों नहीं खोले जाते जो अपने आप में आज भी सबसे बड़ी जरूरत आम आदमी को शासकीय योजनाओं का लाभ प्रदान करने के लिये प्रमुखता से माना जाता है। कहने को तो जन कल्याण व समाज कल्याण के लिये सरकार की सोच जानी जाती है वहीं कलेक्टर पन्ना सुरेश कुमार ने जनसुनवाई को मंगलवार का दिन जो निहित किया था पंचायतों में जरूर खुलने लगी पंचायतें पर महज जनसुनवाई तक ही सीमित क्यों क्योंकि जब प्रतिमाह प्रतिदिन का वेतन पंचायत कार्यालय में पदस्थ सचिव हो या रोजगार सहायक या चौकीदार या भृत्य जिसे वेतन प्रदान किया जाता है। तो फिर पंचायत कार्यालय क्यों नहीं खुलते आखिरकार इनके लिये कैसे छूट जहां मंगलवार के अलावा अन्य दिनों में पंचायत कार्यालय में ताला ही लटका रहता है। वहीं शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं जो आम आदमी को पंचायत कार्यालय के माध्यम से ही प्रदान करने के लिये ग्रामीण क्षेत्र में प्रमुख माना जाता है। वहीं जन कल्याणकारी योजनाओं को समय-समय पर पटल पर स्थापित किया जाना चाहिये ताकि इन योजनाओं की जानकारी आम आदमी को मिल सके। वहीं समय-समय पर जन कल्याणकारी शिविर हों या मंगलवार को जनसुनवाई हो प्रचार-प्रसार में प्रमुखता लाने की जरूरत आज भी बनी हुई है। वास्तविकता में जिस तरह से कलेक्टर सुरेश कुमार व जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारीर संघ प्रिय जिनकी सोच के चलते पंचायतों के माध्यम से योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर आम आदमी के लिये जरूरी माना जा रहा है इसी तरह पंचायत में पदस्थ कर्मचारी आखिरकार कब जागेंगे ताकि वास्तविकता में आम आदमी को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र की प्रगति पंचायत कार्यालयों के संचालन से ही संभव है।

# विद्युत करंट की चपेट में आने से दादी और पोते की मौत

सतना

जसो थाना अंतर्गत अदर्शी गांव में करंट लगने से दादी और पोते की मौत हो गई, जिससे हड़कंप मच गया है, तो वहीं पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। टीआई रोहित यादव ने बताया कि रविवार दोपहर को तकरीबन 1 बजे गांव के कुछ बच्चे खेल में शामिल होने के लिए श्रेयांश पुत्र संतलाल विश्वकर्मा 12 वर्ष, को बुलाने उसके घर पहुंचे तो आंगन में वह अपनी दादी केशकली पति वृन्दावन विश्वकर्मा 65 वर्ष, के साथ बेहोशी की हालत में पड़ा था।

दोनों के शरीर पर बिजली का तार भी फंसा था। यह देखकर बच्चों ने उल्टे पांव लौटकर परिजनों को सूचित किया, जो तुरंत मौके पर गए और पुलिस को खबर देने के साथ तार हटाकर दादी और पोते को आनन-फानन सिविल अस्पताल नागौद ले गए, जहां डॉक्टर ने देखते ही दोनों को मृत घोषित कर दिया।

दादी और पोते की मौत से जहां गांव में हड़कंप मच गया तो वहीं परिजन सकते में आ गए हैं। बताया गया है कि घटना के समय परिवार के लोग खेत पर काम कर रहे थे। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि पहले कौन करंट की चपेट में आया और बचाने की कोशिश में किसकी जान गई। परिजनों के आने पर पंचनामा कार्रवाई करते हुए मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराया गया।

नागौद थाना क्षेत्र के कचनार गांव में करंट लगने से एक किसान की जान चली गई। पुलिस ने बताया कि शनिवार शाम को तकरीबन साढ़े 4 बजे अचानक बिजली बंद हो गई, जिस पर योगेन्द्र सिंह पुत्र रामदुलारे सिंह 50 वर्ष, घर के पीछे की तरफ घरेलू कनेक्शन की तार को देखने और ठीक करने चले गए। इसी दौरान विद्युत सप्लाई बहाल हो गई, जिससे वह तेज करंट के संपर्क में आकर बुरी तरह झुलस गए।

चीख सुनकर परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे और योगेन्द्र सिंह को बिद्युत तार से अलग कर निजी वाहन से फौरन सिविल अस्पताल नागौद ले गए। हॉस्पिटल में मौजूद डॉक्टर ने तुरंत उपचार शुरू किया, लेकिन कुछ देर में ही योगेन्द्र सिंह की सांसें थम गईं, जिस पर शव को मर्चुरी में रखवाते हुए रविवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया।

# संयुक्त टीम द्वारा पतंग विक्रेताओं की दुकानों पर छापामार कार्यवाही

**पन्ना।** नगर में विक्रय किये जा रहे चाईना मांजा विक्रेताओं पर नकेल कसने के लिये पन्ना कलेक्टर के निर्देशानुसार पुलिस प्रशासन एवं नगर पालिका पन्ना की संयुक्त टीम द्वारा पतंग विक्रेताओं की दुकानों पर छापामार कार्यवाही की गई। कार्यवाही में नगर के कई पतंग विक्रेताओं की दुकानों में छापामार कार्यवाही कर चाईना मांजा जब्त किया गया। नगर में चाईना मांजा पर प्रतिबंध होने के बावजूद भी पतंग विक्रेताओं द्वारा चोरी छिपे जानलेवा चाईन माजा का विक्रय किया जा रहा था। नगर के समस्त पतंग विक्रेताओं को निर्देश जारी किये गये कि चाईना मांजा विक्रय पर सख्त कार्यवाही की जायेगी।

# कफ सिरप की तस्करी में वांटेड 5 हजार का इनामी गिरफ्तार

**सतना।** नशीले सिरप की तस्करी में फरार चल रहे 5 हजार के इनामी को अंततः कोलगवां पुलिस ने गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। इस कार्रवाई में एक आरोपी को पहले ही पकड़ा जा चुका है। पुलिस ने बताया कि 23 सितंबर 2024 को मुखबिर की सूचना पर बदखर बाइपास में दबिश दी गई, तो बाइक पर दो लोग संदिग्ध हालत में दिखे, मगर घेराबंदी के बीच अंधेरे का फायदा उठाकर दोनों लोग भाग निकले।

तब तलाशी लेने पर मौके से 3 बोरियों में 81 हजार का 450 शीशी नशीला कफ-सिरप और 50 हजार कीमत की बाइक (एमपी 19 एनई 3742) बरामद हो गई थी। बाइक के रजिस्ट्रेशन के आधार पर आरोपी जितेन्द्र उर्फ जिब्बू पुत्र रामकुमार वर्मा 25 वर्ष, निवासी खरवाही थाना अमरपाटन (मैहर), हाल जवान सिंह कॉलोनी, की पहचान करते हुए 12 नवंबर को गिरफ्तार कर लिया गया।

**सामने आया था दूसरे आरोपी का नाम**

पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी विष्णु उर्फ बिस्सू पुत्र मुन्नालाल लोधी 24 वर्ष, निवासी कृष्ण नगर, थाना कोलगवां, का नाम उगल दिया, लेकिन काफी कोशिशों के बाद भी वह गिरफ्त में नहीं आ रहा था।

ऐसे में पुलिस कप्तान आशुतोष गुप्ता ने 5 हजार का इनाम घोषित कर दिया। लगातार प्रयासों के चलते आखिरकार 26 दिसंबर को कृष्णनगर से आरोपी विष्णु लोधी को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

# 3 जनवरी को होगा सर्वधर्मीय अहिंसा महासम्मेलन

**पन्ना।** संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्या सागर महाराज एवं आचार्य श्री 108 समय सागर जी महाराज के आशीर्वाद से प्रभावक शिष्य वात्सल्य मूर्ति मुनि श्री 108 अक्षय सागर जी की प्रेरणा से सर्वधर्मीय अहिंसा महासम्मेलन 03 जनवरी 2025 को नगर के एवर साइन गार्डन में दोपहर 01 बजे आयोजित किया जा रहा है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए जैन समाज के अध्यक्ष नरेन्द्र जैन ने बताया कि महासम्मेलन में सभी जाति व धर्म के लोग शामिल होंगे। जिसमें सभी जाति, धर्म के प्रतिनिधि, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि सहित नगर के गणमान्य नागरिकों, पत्रकारों, विचारकों को आमंत्रित किया जायेगा जो अहिंसा, व्यसन, नशा मुक्ति, नागरिक जागरूकता, राष्ट्रप्रेम आदि विषयों पर अपने-अपने विचार रखेंगे।

इस महासम्मेलन में अनेक जाति धर्म एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों की बैठक मुनि श्री 108 अक्षय सागर जी की उपस्थिति में हुई। जिसमें महाराज जी महासम्मेलन करने के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्रहित में इन विषयों पर विचार करने की अत्यंत आवश्यकता है। जिससे भविष्य में उज्जवल भारत का निर्माण हो सके। लोग धर्म एवं संस्कार की महत्वता को समझ सकें। बैठक में बाबूलाल यादव, योगेन्द्र, भदौरिया, बुद्ध सिंह ठाकुर, मनीष मिश्रा, मनोज केसरवानी, कैलाश मोदी, शंकरलाल लालवानी, श्री तिवारी गायत्री परिवार से, धीरज जैन, अनिल जैन महामंत्री जैन समाज,, डॉ. सन्मत जैन, मनोज जैन, संजय जैन, चंद्रेश जैन शामिल रहे।

# लिफ्ट देने वाले युवक ने 13 वर्षीय छात्रा के साथ दुष्कृत्य का किया प्रयास

**पन्ना।** जिले के रैपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत भरोसे को दागदार करने वाली घटना सामने आई है। थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले गांव की 13 वर्षीय नाबालिग छात्रा को कस्बे से उसके गांव स्थित घर तक पहुंचाने के लिए लिफ्ट देने वाले युवक द्वारा बीच रास्ते में रास्ता बदलकर करीब दो किलोमीटर दूर जंगल की ओर ले जाकर दुष्कर्म का प्रयास किए जाने की घटना सामने आई है नाबालिग छात्रा की किस्मत या भाग्य कहा जाये कि युवक द्वारा जब छात्रा के साथ दुष्कर्म करने के लिए छेड़खानी करने लगा तो भयभीत बालिका के चींखने-चिल्लाने की आवाज पास ही स्थित खेत में काम कर रहे किसान पिता-पुत्र के कानों तक पहुंच गई और बालिका को बचाने के लिए दोनों दौड़ते-दौड़ते पहुंचे तो युवक बालिका उसकी अपनी स्थिति में छोडकर फरार हो गया। नाबालिग छात्रा के साथ घटना के तीसरे दिन आज पुलिस द्वारा मामले की एफआईआर दर्ज की गई है। नाबालिग के साथ दुष्कर्म के प्रयास का जो मामला सामने आया है उसकी जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले गांव की 13 वर्षीय छात्रा गांव से 08 किलोमीटर दूर पढ़ने वाले कस्बे में नवोदय प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए कोचिंग गई हुई थी और कोचिंग के समाप्त होने के बाद शाम को 06 बजे कस्बे के बस स्टाप पहुंचकर गांव के लिए टैक्सी का इंतजार करने लगी। शाम के साथ अंधेरा की शुरूआत हो जाने और टैक्सी नहीं मिलने से परेशान छात्रा ने गांव के ही रहने वाले युवक जो कि मोटर साइकिल से गांव जा रहा था गांव का रहने वाला चाचा है पर भरोसा करते हुए गांव तक पहुंचने के लिए मदद मांगी आरोपी युवक ने छात्रा को इसके बाद अपनी मोटर साइकिल में बैठा लिया और गांव पहुंचने से करीब दो किलोमीटर पहले आरोपी युवक द्वारा छात्रा को यह कहकर कि खेत से सामान ले लूं फिर चलता हूं और गांव की सड़क से जंगल की ओर पडने वाले रेशम फार्म की ओर का रास्ता पकड लिया और रेशम फार्म के पहले सूनसान स्थल पर मोटर साइकिल को रोक दी और छात्रा के साथ छेड़खानी करते हुए दुष्कर्म की कोशिश करने लगा।

# सीधी से सिंगरौली हाईवे के निर्माण कार्य की गति बढ़ाएं : मुख्यमंत्री

## विकास कार्यों की प्रस्तावित कार्ययोजना में जनप्रतिनिधियों के सुझावों को शामिल करें : मुख्यमंत्री

### चित्रकूट के विकास कार्यों को तेजी से पूरा कराएं : मुख्यमंत्री

### माँ शारदा लोक निर्माण में मंदिर निधि और जन सहयोग भी शामिल करें : मुख्यमंत्री

### मुख्यमंत्री ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से संभागीय बैठक के बिन्दुओं की समीक्षा की

**सीधी।** वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने संभागीय बैठक के एजेण्डा बिन्दुओं की विभागवार समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में विकास कार्यों को गति देने के लिए संभागीय बैठकें आयोजित की जा रही हैं। कमिश्नर और कलेक्टर विभिन्न विभागों के विकास कार्यों की प्रस्तावित कार्ययोजना में जनप्रतिनिधियों के सुझावों को शामिल करें। चित्रकूट क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कार्ययोजना तैयार करें। प्रमुख सचिव चित्रकूट में जाकर जनप्रतिनिधियों के सुझाव के अनुसार कार्ययोजना बनाएं। वर्तमान में जो कार्य स्वीकृत हैं उनको तेजी से पूरा कराएं। कमिश्नर और कलेक्टर सतना चित्रकूट के विकास पर विशेष ध्यान दें। मैहर में माँ शारदा लोक निर्माण में मंदिर निधि और जनसहयोग को भी शामिल करें। संस्कृति विभाग और पर्यटन विभाग के अधिकारी शारदा लोक निर्माण के संबंध में समस्त कार्यवाहियाँ पूरी करके कार्य शुरू कराएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीधी से सिंगरौली हाईवे के निर्माण कार्य में प्रगति हुई है। लेकिन इसका अधिक तेजी से कार्य कराएं। मैहर शहडोल मार्ग में छोटी महानदी के क्षतिग्रस्त पुल में सुधार कार्य भी प्राथमिकता से कराएं। मऊगंज, रीवा, सीधी और सिंगरौली जिले को सिंचाई सुविधा देने के लिए स्वीकृत सीतापुर-हनुमना उद्वहन सिंचाई परियोजना में निर्माण कार्य शुरू करने के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। इस परियोजना का विस्तृत डीपीआर तैयार करें। मुख्यमंत्री ने सोन घड़ियाल अभ्यारण्य के डिनोटिफिकेशन के संबंध में कहा कि इसका प्रस्ताव भेजा जा चुका है। पर्यावरण तथा वन विभाग द्वारा इस पर कार्यवाही की जा रही है। मैहर और मऊगंज जिलों में विभागीय मद से संयुक्त जिला कार्यालय के निर्माण का प्रस्ताव भेजा गया है। इस पर शीघ्रता से कार्यवाही करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कमिश्नर रीवा क्षेत्र का भ्रमण करके विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करें। कलेक्टर सतना चित्रकूट विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष के रूप में निर्धारित भूमिका के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करें। विभिन्न परियोजनाओं के निर्माण कार्यों में पर्यावरण तथा वन विभाग की स्वीकृति समय पर जारी करें। मुख्यमंत्री ने बगदरा गो वन्य विहार निर्माण, सिंगरौली में सड़क निर्माण तथा सिंचाई परियोजनाओं के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी छात्रावासों का नियमित रूप से निरीक्षण कर विद्यार्थियों के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सतना जिले में बगदरा घाटी में गौ वन्य विहार निर्माण, महानदी में क्षतिग्रस्त पुल की मरम्मत, सिंगरौली जिले के सरई में बाईपास निर्माण, सीधी-सिंगरौली हाईवे निर्माण एवं सीतापुर-हनुमना सिंचाई परियोजना के संबंध में सुझाव दिए। सांसद सीधी डॉ राजेश मिश्रा, विधायक सिहावल श्री विश्वामित्र पाठक तथा विधायक धौहनी श्री कुंवर सिंह टेकाम ने सीधी-सिंगरौली रेलवे लाइन निर्माण, सीधी-सिंगरौली हाईवे निर्माण, गोड़ सिंचाई परियोजना तथा देवसर क्षेत्र में सीमेंट फैक्ट्री निर्माण का सुझाव दिया। सांसद रीवा श्री जनार्दन मिश्र ने सोहागी घाटी में सुधार तथा विधायक चित्रकूट श्री सुरेन्द्र सिंह गहरवार ने चित्रकूट में सड़कों के निर्माण, गेस्टहाउस निर्माण चित्रकूट नगर के विकास की कार्ययोजना तथा पर्यटन विकास के संबंध में सुझाव दिए। विधायक अमरपाटन डॉ राजेन्द्र सिंह ने जलजीवन मिशन से अमरपाटन तथा रामनगर परिषद एवं औद्योगिक क्षेत्र को पानी की आपूर्ति, रामनगर माइक्रो सिंचाई परियोजना का कार्य पूरा कराने तथा मैहर जिले के कुछ जिला स्तरीय कार्यालय अमरपाटन में स्थापित करने का सुझाव दिया। विधायक मऊगंज श्री प्रदीप पटेल ने कलेक्ट्रेट भवन निर्माण के संबंध में सुझाव दिए।

बैठक में कमिश्नर रीवा बीएस जामोद ने संभागीय बैठकों के निर्णयों तथा पालन प्रतिवेदन की विभागवार जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब तक आठ संभागीय बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इनमें 58 बिन्दुओं में पारित प्रस्तावों और निर्णयों में से 43 पर आंशिक रूप से कार्यवाही पूरी कर ली गई है। शेष सभी निर्देशों संबंधित विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है। चितरंगी में कालेज में समाजशास्त्र, गृह विज्ञान और वाणिज्य संकाय की कक्षाएं अगले सत्र से शुरू होंगी। चित्रकूट के विकास के लिए दो कार्ययोजनाएं तैयार कर ली गई हैं। संभागीय निर्णय के परिपालन में रीवा में अनुसूचित जाति और जनजाति के दो छात्रावास किराये के भवनों में शुरू कर दिए गए हैं। इनके भवन निर्माण का प्रस्ताव भेजा गया है। सिंगरौली नगर निगम क्षेत्र में सड़क तथा नाली निर्माण के प्रस्ताव खनिज मद से प्रस्तावित कर दिए गए हैं। सीधी से सिंगरौली रेलवे लाइन के भू अर्जन के प्रस्ताव 31 जनवरी तक निराकृत कर दिए जाएंगे। बैठक में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग के सभी जिलों के सांसद, विधायक तथा जिला पंचायत अध्यक्ष शामिल हुए।

कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से सांसद सीधी डॉ राजेश मिश्रा, विधायक सिहावल श्री विश्वामित्र पाठक, विधायक धौहनी श्री कुंवर सिंह टेकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंजू सिंह, अध्यक्ष नगर परिषद मझौली श्री शंकर लाल गुप्ता, कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अंशुमन राज, संयुक्त संचालक संजय टाइगर रिजर्व श्री राजेश कन्ना टी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अरविंद श्रीवास्तव, उपखण्ड अधिकारी सिहावल श्री एसपी मिश्रा, कुसमी सुश्री प्रिया पाठक, मझौली श्री आरपी त्रिपाठी तथा अन्य अधिकारी शामिल रहे।

## सोन घड़ियाल अभ्यारण क्षेत्र, संजय दुबरी राष्ट्रीय उद्यान व टाईगर रिजर्व क्षेत्र, कोरजोन, बफरजोन तथा चिन्हित ईको सेंसिटिव जोन के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

**सीधी**

अपर कलेक्टर ने आदेश जारी कर सोन घड़ियाल अभ्यारण क्षेत्र सीधी, संजय दुबरी राष्ट्रीय उद्यान व टाईगर रिजर्व क्षेत्र सीधी, कोरजोन एवं बफरजोन तथा चिन्हित ईको सेंसिटिव जोन, अतिसंवेदनशील वन्यप्राणी बाहुल्य क्षेत्र को दृष्टिगत रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत संरक्षित क्षेत्र के समीप वैवाहिक कार्यक्रम, जुलूस, रैली, धरना प्रदर्शन, खेल प्रतियोगिता, पटाखें, पार्टी, टीव्ही, एल.सी.डी. या चलित वाहन आदि में ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग दिनांक 30.12.2024 प्रातः 12 बजे से दिनांक 05.01.2025 शाम 05 बजे तक पूर्णः प्रतिबंधित किया है।

साथ ही इस अवधि के दौरान उक्त क्षेत्र में सड़क पर जंगल,नदी के समीप किसी भी प्रकार की अनाधिकृत गतिविधि/ उपद्रव/ पार्टी/ शराब पीकर गाड़ी चलाने/ 10 से अधिक व्यक्तियों का जमावड़ा पाये जाने अथवा किसी भी प्रकार की गतिविधि जिससे आमजन तथा सैलानियों को असुविधा/समस्या हो अथवा वन प्राणियों के दैनिक क्रियाकलाप पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े अथवा किसी भी प्रकार से कानून एवं शांति व्यवस्था को बाधित किया गया है तो भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी।

उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 01.01.2025 को नये वर्ष का पर्व मनाया जाना है। जिला सीधी के अनुविभाग सिहावल सोन घड़ियाल अभ्यारण क्षेत्र अंतर्गत एवं कुसमी तथा मझौली संजय दुबरी राष्ट्रीय उद्यान व टाईगर रिजर्व क्षेत्र सीधी, कोर जोन एवं बफर जोन तथा चिन्हित ईको सेंसिटिव जोन, अतिसंवेदनशील वन्य प्राणी बाहुल्य क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

वन्यप्राणियों के दैनिक क्रियाकलाप एवं मानसिक संतुलन पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े एवं यहां के आमजन की दैनिक गतिविधियां, आसपास लोगों तथा विदेश से आये सैलानियों को कोई असुविधा या समस्या न हो, को दृष्टिगत रखते हुए यह आवश्यक है कि संरक्षित क्षेत्र के समीप स्थापित होटल/ लॉज/ रिसोर्ट में वैवाहिक कार्यक्रम, जुलूस रैली, धरना प्रदर्शन, खेल प्रतियोगिता, पटाखे, पार्टी, टीव्ही, एल.सी.डी. या चलित वाहन आदि में तीव्र ध्वनि विस्तार यंत्रों के संचालन को नियंत्रित किया जाना एवं उक्त अवधि के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था, लोक तथा सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो, जिससे लोक परिशांति भंग होने या लोकजन के मध्य विवाद की स्थिति निर्मित होने की संभावना उत्पन्न न होवे। उक्त को दृष्टिगत रखते हुए अपर कलेक्टर द्वारा आदेश जारी किया गया है।

## उत्कृष्ट विद्यालय की छात्रा राज्यस्तरीय बाल रंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर चयनित

**सीधी।** राज्य स्तरीय बाल रंग प्रतियोगिता का आयोजन विगत दिनों भोपाल में 20 दिसंबर को आयोजित किया गया। इसमें राज्य के सभी संभागों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया इसी तारतम्य में सीधी जिले के उत्कृष्ट विद्यालय की टीम से छात्रा गुंजन पांडे का चयन रीवा संभाग की टीम से किया गया था। कुमारी गुंजन पांडे ने कव्वाली गायन एकल विधा नामक प्रतियोगिता में भाग लेते हुए अपनी बेहतरीन प्रस्तुति दी और सबको आश्चर्यचकित करते हुए राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। गुंजन पांडे विद्यालय की मेधावी छात्रा रही हैं इन्होंने विगत वर्षों में भी कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर राज्य स्तरीय पुरस्कार जीते हैं। और उत्कृष्ट विद्यालय का नाम राज्य के उच्चतम शिखर पर अंकित कराया है। विद्यालय की इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ प्रेमलाल मिश्रा उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य एस.एन. त्रिपाठी सहित जिले के सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी, साथ ही विद्यालय के समस्त शिक्षकों ने छात्रा के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

## फिल्म फेस्टिवल का छठवां संस्करण 7 जनवरी से

**सीधी।** पांचवे संस्करण के सफल आयोजन के पश्चात नए वर्ष में विंध्य अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल का आयोजन 7 से 10 जनवरी 2025 को सीधी के वैष्णवी गार्डन में किया जाएगा। फेस्टिवल के निदेशक प्रवीण सिंह चौहान ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस वर्ष 23 देशों से 242 फिल्मों की फेस्टिवल में इंट्री हुई। भारत के अलावा यूनाइटेड स्टेट, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, ऑस्ट्रीया, बांग्लादेश, बेल्जियम, ब्राजील, कनाडा, चाइना, कोलंबिया, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, मलावी, मेक्सिको, नॉर्वे, पेरू, पुर्तगाल, सर्बिया, स्पेन, स्वीडन और यूक्रेन की फिल्मों ने इस फेस्टिवल में हिस्सा लिया है।

## नालसा द्वारा संचालित विधिक सेवा ईकाई-मनोन्याय एलएसयूएम समिति सदस्यों का प्रशिक्षण आयोजित

**सीधी।** राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के द्वारा नालसा (मानसिक विकलांगता वाले व्यक्तियों और बौद्धिक विकलांगता वाले व्यक्तियों के लिए कानूनी सेवाएं) योजना 2024 का गठन किया गया है। उक्त समिति के सदस्यगण हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के मार्गदर्शन में सोमवार दिनांक 30.12.2024 को ए.डी.आर. सेंटर भवन में किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में उपस्थित मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ रवि पटेल ने बताया कि मानसिक विकलांग व्यक्ति को कैसे पहचाने एवं व्यक्ति किस मानसिक बीमारी से ग्रस्त है उनको पहचानना और उनके प्राथमिक उपचार व काउंसलिंग एवं इलाज हेतु प्रेरित करने के बारे में जानकारी प्रदान की। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री सिद्धार्थ शुक्ला ने नालसा द्वारा संचालित विधिक सेवा ईकाई-मनोन्याय एल.एस.यू.एम. (लीगल सर्विसेज टु पर्सन्स विथ मेन्टल इलनेस एंड पर्सन्स विथ इंटेलेक्चुअल डिसबिलिटीज) के बारे में विस्तार से बताया। इसके साथ ही राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। श्री शुक्ला ने उपस्थित सदस्यगण को कमेटी के सदस्य के रूप में अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री विनोद कुमार श्रीवास्तव, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री बाबूलाल सिंह, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री सत्यप्रकाश पाण्डेय, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री ऋषभ सिंह, अधिवक्ता श्री रामशरण दुबे, श्री अवनीन्द्र कुमार पाठक, श्री सतीश कुमार उर्मलिया, श्री विजय चन्द्र गौतम, श्री इन्द्रजीत कुशवाहा, श्री श्याम कार्तिक पाण्डेय, पैरालीगल वॉलेंटियर्स सुश्री शैलजा मिश्रा, श्री अरविंद कुमार पटेल, सुश्री शिप्रा सिंह बघेल, श्रीमती प्रेमिका पाण्डेय, श्री शुभम सिंह, श्री अनिल कुमार गुप्ता, श्री संदीप कुमार तिवारी, श्री गजाधर प्रसाद तिवारी, श्री पियुष मिश्रा सहित जिला प्राधिकरण के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

## रघुवंश सराफ ने जिले का नाम किया रोशन

**सीधी।** शहर के वार्ड क्रमांक 18 निवासी रघुवंश सराफ पिता महेंद्र सराफ पत्रकार विगत दिनों उड़ीसा के आईआईटी भुवनेश्वर दीक्षांत समारोह मे शामिल हुए इस अवसर पर भारत सरकार के केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद; परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष और परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव डॉ. अजीत कुमार मोहंती और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रो. अभय करंदीकर मुख्य अतिथि थे। आईआईटी भुवनेश्वर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बीओजी) के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद सिंह ने दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की। आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. श्रीपद कर्मालकर ने दीक्षांत समारोह की रिपोर्ट प्रस्तुत की और छात्रों को डिग्री प्रदान की। जहां मध्य प्रदेश के सीधी जिले से रघुवंश सराफ पिता महेंद्र सराफ मैकेनिकल इजीनियरिंग के छात्र को डिग्री प्रदान की गई। इस दीक्षांत समारोह में संस्थान ने शैक्षणिक वर्ष 2022-23 और 2023-24 के लिए 1388 छात्रों को डिग्री प्रदान की। इनमें से 8% छात्र पीएचडी, 19% एम.टेक, 14% एम.एससी, 14% दोहरी डिग्री (बी.टेक और एम.टेक) और 45% बी.टेक हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए माननीय मंत्री श्री प्रधान ने कहा आईआईटी भुवनेश्वर को ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार का संस्थान बनने का प्रयास करना चाहिए। आईआईटी से स्नातक होने के नाते, उन्हें नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी देने वाले बनने की दिशा में प्रयास करना चाहिए। उन्हें औद्योगिक क्रांति 4.0 में योगदान देने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए। अपने संबोधन में प्रो. अजय कुमार सूद ने कहा कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने के लिए अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से ज्ञान सृजन पर जोर दिया जाना चाहिए। अनुसंधान अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) और इसके उद्देश्य के बारे में बताया। डॉ. अजीत कुमार मोहंती ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के युग में भी मानवीय ज्ञान और मानवीय क्षमता अपूरणीय है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं में नवाचार करने की क्षमता है और उन्हें इस शक्ति का उपयोग देश के विकास के लिए करना चाहिए। सभा को संबोधित करते हुए, प्रो. अभय करंदीकर ने अत्याधुनिक शोध और नवाचार का केंद्र बनने के लिए आईआईटी भुवनेश्वर की सराहना की। उन्होंने उल्लेख किया कि देश ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ी छलांग लगाई है और वैश्विक मानचित्र पर अपनी पहचान बनाई है। इस दीक्षांत समारोह के दौरान संस्थान ने 1388 छात्रों को डिग्री प्रदान की, जिनमें से 105 पीएचडी, 269 एम.टेक, 197 एम.एससी, 192 दोहरी डिग्री (बी.टेक और एम.टेक) और 625 बी.टेक शैक्षणिक वर्ष 2022-23 और 2023-24 के लिए हैं। यह स्नातक छात्रों, उनके माता-पिता, संकाय और कर्मचारियों और संस्थान के प्रशासन के लिए गर्व का क्षण था।वर्ष 2022-23 के लिए, सभी बी.टेक छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग के श्री हर्ष सिंह जादौन को भारत के राष्ट्रपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। वर्ष 2023-24 के लिए, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग के श्री अर्नव कुमार बेहरा को भारत के राष्ट्रपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, एएनआरएफ और आईआईटी भुवनेश्वर द्वारा भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रोफेसर अभय करंदीकर के साथ भारत में अनुसंधान के भविष्य के लिए रास्ते और संभावनाओं की खोज विषय पर एक संवाद बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

## जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन सम्पन्न

**सीधी।** राज्य शिक्षा केन्द्र के आदेशानुसार 28 दिसम्बर शनिवार को उत्कृष्ट विद्यालय में विज्ञान , गणित , पर्यावरण एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी सत्र 2024-25 का आयोजन जिला शिक्षा एवं जनपद शिक्षा केंद्र सीधी द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें जिला स्तरीय प्रदर्शनी का जिसमें सभी विकासखंड के चयनित मॉडल एकल गीत लघु नाटिका और सेमिनार के छात्र-छात्राओं ने अपनी सहभागिता दी निर्णायक मंडल द्वारा सभी विषय के मॉडल का अवलोकन किया गया इसी तरह सभी विधाओं के आयोजन पश्चात कार्यक्रम का परिणाम घोषित किया गया जिसमें माध्यमिक शाला करौंदिया पानी टंकी ने बाजी मारते हुए विज्ञान मॉडल संजय साकेत कक्षा 8 , सामाजिक विज्ञान मॉडल पवन साकेत कक्षा 6 , एकल गीत रवीना विश्वकर्मा कक्षा 8 , सेमिनार आदित्य गौतम कक्षा 8 , लघु नाटिका सपना साकेत दीपा साकेत संजय साकेत आदित्य वर्मा , सभी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

जिला शिक्षा अधिकारी डॉक्टर प्रेमलाल मिश्रा रमसा प्रभारी सुजीत मिश्रा एपीसी बीआरसी बीआरसीसी बीएसी उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य एवं अन्य शिक्षा विभाग के पदाधिकारी के द्वारा सभी मॉडल का अवलोकन किया गया एवं आवश्यक सुझाव देकर छात्रों को प्रोत्साहित किया गया डॉक्टर प्रेमलाल मिश्रा द्वारा प्रेरणादाई आशीर्वचन द्वारा छात्रों की प्रशंसा की गई प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए सभी ने माध्यमिक शाला करौंदिया पानी टंकी की संस्था प्रधान श्रीमती सविता सिंह एवं चयनित छात्रों को जोन स्तर हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की।

## संतुष्टि पूर्वक शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करायें: कलेक्टर

### समय-सीमा बैठक सम्पन्न

**सीधी।** सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने निर्देशित किया है कि सभी विभाग प्रमुख सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की नियमित समीक्षा कर संतुष्टि पूर्वक निराकरण कराया जाना सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग सीएम हेल्पलाइन के शिकायतों के निराकरण के लिए विभागीय व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करें तथा निगरानी तंत्र को व्यवस्थित करें। कलेक्टर ने कहा कि जिन विभाग प्रमुखों की परफॉर्मेंस डी ग्रेड में है विभाग प्रमुख शिकायतों को स्वयं विशेष रूप से देखकर समय सीमा में संतुष्टिपूर्ण निराकरण दर्ज कराए। विकासखंड स्तर पर एसडीएम सीईओ जनपद तथा संबंधित विभागों के साथ बैठक करके शिकायतों का निराकरण कराना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को गंभीरता से लें और समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण दर्ज करे। उन्होंने कहा कि जो विभाग सी एवं डी ग्रेड में है वह अगले हफ्ते तक बी में आने का प्रयास करें।

कलेक्टर ने समाधान ऑनलाइन में चयनित विषयों तथा 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने हितग्राहियों के हितलाभ वितरण तथा भुगतान संबंधी शिकायतों के निराकरण को गंभीरता से दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने धान उपार्जन के कार्य की विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने उपार्जन केंद्रों में भंडारित धान का परिवहन शीघ्रता से करने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है। कलेक्टर ने कहा कि आगामी दिवसों में बारिश की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए उपार्जित धान के सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने अधिकारियों को छात्रावासों का नियमित रूप से निरीक्षण कर विद्यार्थियों के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, उपखण्ड अधिकारी सिहावल एस.पी. मिश्रा, कुसमी प्रिया पाठक, मझौली आर.पी. त्रिपाठी सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। अन्य खण्डस्तरीय अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे।

## संपादकीय

# दवाइयों पर बढ़ता जा रहा टैक्स

देश में एक तरफ चिकित्सा सेवाएं आम आदमी की पहुंच से दूर हो रही हैं, तो दूसरी तरफ दवाइयों पर लगातार कर बढ़ाया जा रहा है। सरकार की लोकलुभावन योजनाओं के बावजूद महंगी दवाइयां खरीदना रोगी के लिए मजबूरी है। आखिर उसके सामने कोई विकल्प भी तो नहीं। या तो वह जमीन-जेवर बेच कर अपनी जान बचाए या फिर घर पर लाइलाज मर जाए। यह भयावह स्थिति है। दो राय नहीं कि सस्ती दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए कुछ कदम जरूर उठाए गए। सच्चाई यह है कि बीमारियों के उपचार के दौरान अस्पतालों के बेतहाशा शुल्क और गैर-जरूरी चिकित्सा जांच में मरीज कंगाल होने लगता है। कई बार तो वह अपना इलाज कराने में असमर्थ हो जाता है। सरकार के दावे और हकीकत में कितना अंतर है, यह अस्पतालों में साफ दिखता है। इलाज पर खर्च दोगुना से अधिक हो गया है। इसकी बड़ी वजह दवाओं पर जीएसटी लगाया जाना भी है। जीवनरक्षक दवाओं को छोड़ दें, तो कई अधिकतम जीएसटी के दायरे में हैं। मनोरोग से संबंधित दवाइयों पर भी बारह फीसद जीएसटी लगाई गई है।कई गंभीर रोगों की दवाइयां पहले से ही महंगी हैं। ऐसे में मानसिक चिकित्सा से संबंधित दवाओं पर बारह फीसद जीएसटी उन मरीजों से अन्याय है, जो जीवन की जद्दोजहद में घिर कर किसी कारण मनोरोग के शिकार हो गए हैं। आर्थिक दबाव से पहले ही बेहाल ऐसे मरीज अगर बीच में ही अपना इलाज छोड़ रहे हैं, तो यह निस्संदेह चिंता का विषय है। यह सवाल वाजिब है कि क्या मनोरोग या किसी भी बीमारी का उपचार मनुष्य के लिए विलासिता है? क्या किसी को स्वस्थ जीवन जीने का अधिकार नहीं है? अगर दवाइयां महंगी होंगी, तो कोई भी पहले दाल-रोटी की चिंता करेगा या अपने लिए दवाइयां खरीदेगा? जबकि दोनों ही बुनियादी जरूरतें हैं। मनोरोग के उपचार की दवाइयां भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण हैं, जितनी जीवनरक्षक दवाएं। मानवीय रूप से देखें तो सभी दवाइयां करमुक्त होनी चाहिए। क्योंकि एक स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए यह आवश्यक है।

**साल 2024 देश दुनिया के लिए कई अहम घटनाओं से भरा रहा। राजनीतिक तौर पर देखें तो दुनिया के कई देशों में सरकारें बदल गयीं तो कई देशों में सत्तारुढ़ दलों को बड़ा झटका लगा। महंगाई, बेरोजगारी के साथ ही दुनिया तमाम तरह के द्वंद्वों से भी जूझती रही। शांति को तरजीह देने की बात करने वाले इस विश्व में जहां इस साल और संघर्ष बढ़े वहीं मौसम ने भी ऐसा तपाया कि दुनिया में यह वर्ष सबसे ज्यादा गर्म के तौर पर दर्ज हो गया। भारत में साल की शुरुआत में हिट हुआ अबकी बार 400 पार का नारा तो चुनावों में पिट गया लेकिन साल के अंत में सामने आया बंटेंगे तो कटेंगे नारे को लोगों का जोरदार समर्थन मिला है। आइये एक नजर डालते हैं बीत रहे साल 2024 की बड़ी घटनाओं पर।**

# वर्ष 2024- राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घटी कई घटनाओं ने भविष्य के लिए बड़े संकेत दिये हैं

(नीरज कुमार दुबे)

भारत की दृष्टि से देखें तो यह साल इसलिए अहम रहा क्योंकि पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद नरेंद्र मोदी के रूप में कोई प्रधानमंत्री लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में आया। हालांकि लोकसभा चुनावों में भाजपा अपने बलबूते सत्ता हासिल करने से चूक गयी।

साल 2024 देश दुनिया के लिए कई अहम घटनाओं से भरा रहा। राजनीतिक तौर पर देखें तो दुनिया के कई देशों में सरकारें बदल गयीं तो कई देशों में सत्तारुढ़ दलों को बड़ा झटका लगा। महंगाई, बेरोजगारी के साथ ही दुनिया तमाम तरह के द्वंद्वों से भी जूझती रही। शांति को तरजीह देने की बात करने वाले इस विश्व में जहां इस साल और संघर्ष बढ़े वहीं मौसम ने भी ऐसा तपाया कि दुनिया में यह वर्ष सबसे ज्यादा गर्म के तौर पर दर्ज हो गया। भारत में साल की शुरुआत में हिट हुआ अबकी बार 400 पार का नारा तो चुनावों में पिट गया लेकिन साल के अंत में सामने आया बंटेंगे तो कटेंगे नारे को लोगों का जोरदार समर्थन मिला है। आइये एक नजर डालते हैं बीत रहे साल 2024 की बड़ी घटनाओं पर।

**नरेंद्र मोदी-** भारत की दृष्टि से देखें तो यह साल इसलिए अहम रहा क्योंकि पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद नरेंद्र मोदी के रूप में कोई प्रधानमंत्री लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में आया। हालांकि लोकसभा चुनावों में भाजपा अपने बलबूते सत्ता हासिल करने से चूक गयी लेकिन जनता ने उसके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को शासन करने के लिए स्पष्ट जनादेश दिया। भाजपा का 'अबकी बार 400 पार' का नारा पूरी तरह विफल रहा और उसे सरकार चलाने के लिए चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी और नीतीश कुमार की जनता दल युनाइटेड के समर्थन पर निर्भर रहना पड़ेगा। विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल दलों का लोकसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन रहा। खासतौर पर कांग्रेस ने एक दशक में अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन करते हुए 99 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की।

**राहुल गांधी-** साल 2024 कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए बेहद खास रहा। पिछले लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को उत्तर प्रदेश की अमेठी लोकसभा सीट पर चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था, वहीं इस बार वह केरल की वायनाड और उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट से रिकॉर्डतोड़ मतों से जीते। अमेठी में गांधी परिवार के करीबी किशोरी लाल शर्मा ने भाजपा की स्मृति ईरानी को हरा दिया। बाद में राहुल गांधी ने वायनाड सीट छोड़कर रायबरेली की सांसदी बरकरार रखी। राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता बनाये गये जोकि उनके राजनीतिक जीवन में अब तक का सबसे बड़ा पद रहा।

**अरविंद केजरीवाल-** इस साल लोकसभा चुनावों से ठीक पहले शराब घोटाला मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी बड़ी राजनीतिक घटना रही। उन्होंने इस्तीफे की मांग को दरकिनार करते हुए जेल से सरकार चलाने का रिकॉर्ड भी बनाया। हालांकि जमानत मिलने पर बाहर आये केजरीवाल ने अपना इस्तीफा देकर आतिशी को मुख्यमंत्री बना दिया। दिल्ली में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने केजरीवाल को फिर से नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है।

**ओडिशा की राजनीति-** लोकसभा चुनावों के साथ हुए ओडिशा के विधानसभा चुनावों में इस बार बड़ा फेरबदल देखने को मिला। ओडिशा की सत्ता पर दो दशक से ज्यादा समय से काबिज नवीन पटनायक की बीजू जनता दल को इस बार हार का सामना करना पड़ा। खुद दो विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ने वाले नवीन पटनायक एक सीट पर चुनाव हार गये। ओडिशा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने शानदार जीत हासिल करते हुए राज्य में सरकार बनाई।

**आंध्र प्रदेश में सत्ता परिवर्तन-** 2024 में आंध्र प्रदेश में भी सत्ता परिवर्तन हुआ। लोकसभा चुनावों के साथ ही कराये गये आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों में टीडीपी-जन सेना और भाजपा के गठबंधन ने कमाल कर दिखाया और अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। चंद्रबाबू नायडू राज्य के मुख्यमंत्री और जन सेना के पवन कल्याण उपमुख्यमंत्री बनाये गये।

**हरियाणा विधानसभा चुनाव-** लोकसभा चुनावों के ठीक बाद हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम चौंकाने वाले रहे। कांग्रेस के पक्ष में आंधी होने की खबरों के बीच भाजपा का लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटना राजनीतिक रूप से तो ऐतिहासिक रहा ही साथ ही इन परिणामों ने निराश महसूस कर रही भाजपा में नई जान फूंक दी। हरियाणा चुनावों के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंटेंगे तो कटेंगे का जो नारा दिया उससे हिंदू समुदाय भाजपा के पक्ष में एकजुट हो गया और इसका असर महाराष्ट्र में भी दिखाई दिया।

**महाराष्ट्र के सत्ता समीकरण-** महाराष्ट्र में भी विधानसभा चुनाव के नतीजे चौंकाने वाले रहे। खास बात यह रही कि लोकसभा चुनाव में जहां महाराष्ट्र में महायुति को निराशा हाथ लगी थी तो वहीं विधानसभा चुनाव में राज्य की जनता ने दिल खोलकर भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति को अपना समर्थन दिया। महाराष्ट्र में लगातार तीसरी बार भाजपा सबसे बड़े दल के रूप में उभरी। इस बार देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री और एकनाथ शिंदे तथा अजित पवार उपमुख्यमंत्री बने।

**झारखंड के नतीजों ने चौंकाया-** झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लिए साल 2024 बेहद उतार-चढ़ाव वाला साबित हुआ। साल 2024 में उनकी गिरफ्तारी हुई। उन्होंने अपनी जगह चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाया। जमानत मिलने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पद पर वापसी की तो चंपई सोरेन उनका साथ छोड़कर भाजपा में चले गये। इस साल विधानसभा चुनावों में उनके नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिला और वह एक बार फिर मुख्यमंत्री पद पर आसीन हुए।

**जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद पहले चुनाव**

जम्मू-कश्मीर में भी इस साल विधानसभा के चुनाव कराये गये। यह चुनाव इस मायने में ऐतिहासिक रहे कि उम्मीदवारों की तो रिकॉर्ड संख्या रही ही साथ ही मतदाताओं ने भी लोकतंत्र के उत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लिया। एक दशक बाद हुए राज्य विधानसभा चुनावों में नेशनल कांफ्रेंस ने शानदार जीत हासिल की और उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री बने।

**प्रियंका गांधी वाड्रा की नई पारी-** यह साल गांधी परिवार के लिए काफी खास रहा क्योंकि जहां लोकसभा चुनावों से पहले सोनिया गांधी ने राजस्थान से राज्यसभा की सदस्यता हासिल की वहीं राहुल गांधी दो लोकसभा सीटों से चुनाव जीतने में सफल रहे। इसके अलावा, नेहरू-गांधी परिवार की एक अन्य सदस्य प्रियंका गांधी वाड्रा भी संसदीय राजनीति में प्रवेश करने में सफल रहीं। लोकसभा चुनाव में दो सीटों से जीत हासिल करने के बाद जब राहुल गांधी ने वायनाड को छोड़ दिया तो वहां हुए उपचुनाव में प्रियंका गांधी वाड्रा ने जीत हासिल की और पहली बार लोकसभा पहुँचीं।

# मोहन भागवत का बयान देश की एकता-अखंडता के लिए महत्वपूर्ण

(योगेंद्र योगी)

भारत इस दृष्टि से विश्व को अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक सॉफ्ट पावर से अवगत करा रहा है। ऐसे में देश में चल रहे मंदिर-मस्जिद के ऐतिहासिक विवाद क्या भारत की इस तरक्की की रफ्तार में ब्रेक लगाने का काम करेंगे।

भारत विश्व में तेजी से उभरती हुई आर्थिक महाशक्ति बनने की तरफ कदम बढ़ा रहा है। भारत को 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान है। अर्थव्यवस्था के अलावा भारत ग्लोबल साउथ के नेतृत्व के तौर पर तेजी से उभर रहा है। खाड़ी के मुस्लिम देश भारत के महत्व और भविष्य की जरूरतों के हिसाब से द्विपक्षीय रिश्तों को स्वीकार कर रहे हैं। यही वजह है कि भारत की इस ताकत को स्वीकारते हुए कुवैत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सर्वोच्च कुवैती सम्मान द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर से सम्मानित किया है। यह किसी देश द्वारा पीएम मोदी को दिया गया 20वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर कुवैत का एक नाइटहुड ऑर्डर है। इस मौके पर पीएम मोदी ने अरबी भाषा में प्रकाशित रामायण और महाभारत की कृति कुवैतियों को सौंपी। इसका अनुवाद और प्रकाशन भी कुवैती मुसलमान ने किया है।

भारत इस दृष्टि से विश्व को अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक सॉफ्ट पावर से अवगत करा रहा है। ऐसे में देश में चल रहे मंदिर-मस्जिद के ऐतिहासिक विवाद क्या भारत की इस तरक्की की रफ्तार में ब्रेक लगाने का काम करेंगे। इससे देश का सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ेगा। पूर्व में इसी तरह के सांप्रदायिक विवादों की भारत ने जान-माल के नुकसान और वैश्विक निवेश को लेकर संशय के कारण बड़ी कीमत चुकाई है। इसी आंशका के कारण राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने धार्मिक स्थलों पर गढ़े मुर्दे उखाडने को लेकर गहरी नाराजगी जाहिर की है। भागवत को अंदाजा है कि ऐसे विवाद से भारत की छवि को नुकसान होगा। इससे कहीं न कहीं प्रगति पर भी असर पड़ेगा। यही वजह है कि संघ की धार्मिक कट्टर छवि के बावजूद भागवत ने ऐसे मुद्दे उठाने वालों को तगड़ी लताड़ लगाई है। भागवत ने पुणे में हिंदू सेवा महोत्सव के उद्घाटन के दौरान कहा कि कहीं मंदिर-मस्जिद के रोज़ नए विवाद निकालकर कोई नेता बनना चाहता है तो ऐसा नहीं होना चाहिए, हमें दुनिया को

दिखाना है कि हम एक साथ रह सकते हैं। भागवत के भाषण की चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि इस वक्त देश में संभल, मथुरा, काशी जैसे कई जगहों की मस्जिदों के प्राचीन समय में मंदिर होने के दावे किए गए हैं। इनके सर्वे की मांग हो रही है और कुछ मामले अदालतों में लंबित हैं।

भागवत ने कहा कि हमारे यहां हमारी ही बातें सही, बाकी सब गलत, यह चलेगा नहीं। अलग-अलग मुद्दे रहे तब भी हम सब मिलजुल कर रहेंगे। हमारी वजह से दूसरों को तकलीफ़ न हो इस बात का ख्याल रखेंगे। जितनी श्रद्धा मेरी मेरी खुद की बातों में है, उतनी श्रद्धा मेरी दूसरों की बातों में भी रहनी चाहिए। भागवत ने ये भी कहा कि रामकृष्ण मिशन में आज भी 25 दिसंबर (बड़ा दिन) मनाते हैं, क्योंकि यह हम कर सकते हैं, क्योंकि हम हिंदू हैं और हम दुनिया में सब के साथ मिलजुल कर रह रहे हैं। यह सौहार्द अगर दुनिया को चाहिए तो उन्हें अपने देश में यह मॉडल लाना होगा। आरएसएस प्रमुख ने किसी विशेष विवाद का जिक्र नहीं किया। उन्होंने कहा कि बाहर से आए कुछ समूह अपने साथ कट्टरता लेकर आए हैं और वे चाहते हैं कि उनका पुराना शासन वापस आए। उन्होंने कहा, लेकिन अब देश संविधान के अनुसार चलता है। इस व्यवस्था में लोग अपने प्रतिनिधि चुनते हैं, जो सरकार चलाते हैं। आधिपत्य के दिन चले गए हैं। मुगल बादशाह औरंगजेब का शासन इसी तरह की दृढ़ता से जाना जाता था। हालांकि उनके वंशज बहादुर शाह जफर ने 1857 में गोहत्या पर प्रतिबंध लगा दिया था।

गौरतलब है कि राजस्थान के अजमेर शरीफ़ दरगाह से जुड़ा विवाद और संभल में एक मस्जिद से जुड़े ऐसे विवादित मुद्दों ने जोर पकड़ लिया था। अजमेर की एक स्थानीय अदालत ने अजमेर शरीफ़ दरगाह के नीचे मंदिर का दावा करने वाली याचिका को हाल ही में स्वीकार कर लिया था। कुछ ही दिन पहले उत्तर प्रदेश के संभल की शाही जामा मस्जिद के बारे में भी इसी तरह का दावा किया गया था और जिला अदालत ने मामले में सर्वे का आदेश दिया था सर्वे के दिन ही संभल में हिंसा भी भड़की थी, जिसमें पुलिस ने चार लोगों की मौत की पुष्टि की थी। आरएसएस प्रमुख भागवत का यह बयान सभी को पच नहीं रहा है। दरअसल इस बयान ने हिन्दुत्व के नेतृत्व का विवाद पैदा कर दिया है। तुलसी पीठाधीश्वर जगदुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि मैं मोहन भागवत के बयान से बिल्कुल सहमत नहीं हूं। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मोहन भागवत हमारे अनुशासक नहीं हैं। बल्कि हम उनके अनुशासक हैं। वहीं, उत्तराखंड में ज्योतिर्मठ पीठ के शंकरचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मोहन भागवत पर राजनीतिक रूप से सुविधाजनक रुख अपनाने का आरोप लगाया। सरस्वती ने कहा, जब उन्हें सत्ता चाहिए थी, तब वे मंदिरों के बारे में बोलते रहे। अब जब उनके पास सत्ता है तो वे मंदिरों की तलाश ना करने की सलाह दे रहे हैं।

अयोध्या में राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि मंदिर और मस्जिद का संघर्ष एक सांप्रदायिक मुद्दा है और जिस तरह से ये मुद्दे उठ रहे हैं, कुछ लोग नेता बनते जा रहे हैं। अगर नेता बनना ही इसका मक़सद है तो इस तरह का संघर्ष उचित नहीं है। लोग महज़ नेता बनने के लिए इस तरह के संघर्ष शुरू कर रहे हैं, तो यह सही नहीं है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि कौन अल्पसंख्यक है और कौन बहुसंख्यक? यहां सब बराबर हैं। उन्होंने उम्मीद जताई है कि बाकी संघ परिवार भागवत के बयान पर ध्यान देगा। कांग्रेस के ही एक और सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत को ये रचनात्मक सलाह उन लोगों को देनी चाहिए जो संविधान का अपमान कर रहे हैं ताकि देश में शांति और समृद्धि बनी रहे। आरएसएस प्रमुख का बयान ऐसे समय आया है जब सोशल मीडिया पर मंदिर-मस्जिद के जहरीले बयानों की बाढ़ आई हुई है। भागवत ने वक्त की नजाकत को समझते हुए सही बयान दिया है। इससे देश की गंगा-जमुनी संस्कृति कायम रहेगी। ऐसे विवादित मुद्दों की आड़ में अपनी राजनीति चमकाने के लिए सांप्रदायिक एकता में दरार डालने कतिपय तत्वों के हौसले पस्त होंगे।

## वर्ग पहेली 5598

**संकेत: बाएं से दाएं**

1. 11 अगस्त 1908 को इस महान क्रांतिकारी फांसी दी गई (7)
7. दमन करने वाला (5)
8. अंतरिक्ष, आकाश, आसमान (2)
9. नृत्य करवाना (3)
11. पार्श्व, पहलू, पक्ष (3)
12. जल, आब, नीर, पानी (2)
13. विवाह के समय होने वाली एक रस्म, शशि कपूर-आशापारेख अभिनीत एक फिल्म (1968)(4)
15. स्वभाव, लत, व्यसन (3)
16. निर्णीत, फैसला किया हुआ, ठहराया हुआ (2)
17. तौल की एक सूक्ष्म ईकाई ता आइ रत्ती के बराबर होती है (2)
18. विलक्षण वस्तु या करतब, चमत्कार, पराकाष्ठा (3)
20. पंडवानी शैली की प्रसिद्ध लोकगायिका (सिर्फ नाम)(3)
21. करने वाला, रचने वाला, साधक (2)
22. यथेष्ट, आवश्यकता से अधिक, अत्यधिक ज्यादा (3)

**ऊपर से नीचे**

1. स्वयं, आप (2)
2. एक प्रकार का कीट जो कागज आदि को हानि पहुंचाता है (3)
3. जंघा, जांघ (2)
4. चक्राकर बंदूक यह कहलाती है (5)
5. बातचीत, वार्तालाप (4)
6. संत तुलसीदास की प्रसिद्ध धार्मिक कृति (8)
10. बल, शक्ति, पॉवर (3)
11. जो भाग्य में लिखा हुआ हो (2)
12. अभियोग, तर्क, दार्शनिक प्रणाली (2)
14. न्यायाधीश, जज, न्याय करने वाला (4)
15. प्रत्याशतीत, कल्पनातीत, स्वप्रातीत, अकल्पनीय (4)
19. रदपट, अधर, ओंठ, ओष्ठ (2)

**वर्ग पहेली 5597 का हल**

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | द | मा | | चं | ब | ल | |
| रि | वा | ज | | ग | ल | त | |
| व | | रा | | ला | वा | | वा |
| र्त | | | मु | | | गै | र |
| न | ई | दु | नि | या | | | दा |
| | द | र्जी | | द | ह | श | त |
| चौ | गा | न | | गा | य | | |
| रा | ह | | बा | र | | | पौ |

# राजेश खन्ना ने पैसों के लालच में की थी इतनी बड़ी गलती, पता चला तो पैरों तले खिसकी जमीन

(संगीता तोमर)

जानिए राजेश खन्ना ने 54 साल पहले पैसों के लालच में क्या गलती कर दी थी कि उन्हें सलीम खान और जावेद अख्तर की मदद लेनी पड़ी थी? आखिर क्यों वह लाखों रुपये के कैश से भरा सूटकेस लिए फिरते रहते थे और सभी को दिखाते थे? यहां बता रहे हैं

राजेश खन्ना भारतीय सिनेमा के पहले सुपरस्टार थे और उन्होंने एक समय पर अपने करियर में लगातार 17 हिट फिल्में दी थीं। वह 60 और 70 के दशक के सबसे बड़े सुपरस्टार थे और खूब मोटा पैसा कमा रहे थे। लेकिन राजेश खन्ना के करियर में एक ऐसा भी वक्त आया, जब वह इस कदर बिजी हो गए कि स्क्रिप्ट पढ़े बिना ही फिल्में साइन करने लगे। चूंकि पैसों की जरूरत थी, तो इस चक्कर में उन्होंने इतनी बड़ी गलती कर दी थी कि बाद में पछतावा हुआ था कि ये क्या कर दिया।

**स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं और 5 लाख रुपये ले लिए-** राजेश खन्ना ने एक बार एक फिल्म साइन की थी और इसके लिए 5 लाख रुपये बतौर साइनिंग अमाउंट लिए थे। तब तक उन्होंने फिल्म की स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी थी...और बाद में जब पढ़ी तो राजेश खन्ना के पैरों तले जमीन खिसक गई। उन्हें एहसास हुआ कि कितनी बड़ी गलती कर दी है।

**स्क्रिप्ट लगी बकवास, पर मिल रहे थे 9 लाख रुपये तो इसलिए....-** दरअसल राजेश खन्ना ने जब स्क्रिप्ट पढ़ी तो उन्हें वह बहुत बकवास लगी। लेकिन वह फिल्म छोड़ नहीं सकते थे क्योंकि मेकर्स ने उन्हें 9 लाख रुपये देने का वादा किया था। यह 70 के दशक की बात है, और उस वक्त 9 लाख काफी बड़ी रकम होती थी। राजेश खन्ना ने इस फिल्म को करने का फैसला कर लिया। पर इससे पहले उन्होंने कुछ राइटर्स चुने और उनसे स्क्रिप्ट में बदलाव करवाए।

**यासिर उस्मान की लिखी किताब में खुलासा, राजेश खन्ना को चाहिए थे पैसे-** यासिर उस्मान की लिखी किताब में यह वाकया बताया गया है। दरअसल राजेश खन्ना तब सी-फेसिंग बंगला 'आशीर्वाद' खरीदने की योजना बना रहे थे। तब यह बंगला एक्टर राजेंद्र कुमार का था और उसे खरीदने के लिए राजेश खन्ना को मोटी रकम की जरूरत थी।

**एक आदमी और पालतू हाथियों की कहानी, मिल रहे थे 9 लाख रुपये-** उसी दौरान राजेश खन्ना को चेन्नई में एमएमए चिन्नप्पा देवार नाम के एक प्रोड्यूसर ने एक फिल्म ऑफर की। यह एक आदमी और उसके पालतू हाथियों की कहानी पर आधारित फिल्म थी, जिसे बाद में 'हाथी मेरे साथी' के नाम से जाना गया। राजेश ने हां इसलिए कहा क्योंकि उन्हें फिल्म के लिए बड़ी रकम ऑफर की गई थी और उन्होंने बिना स्क्रिप्ट पढ़े ही हां कह दी।

**5 लाख कैश भरा सूटकेस लिए घूमते राजेश खन्ना और सबको खोलकर दिखाते-** इसी किताब में एक्टर धीरज कुमार के हवाले से बताया गया है कि काका यानी राजेश खन्ना हाथ में सूटकेस में कैश लिए घूमते और जो भी दिखाने को कहता उसे दिखाते। उन दिनों पूरी फिल्म इंडस्ट्री में इस बात की चर्चा हो रही थी कि काका को 5 लाख रुपये का साइनिंग अमाउंट मिला है। लेकिन एक दिन फेमस स्टूडियोज में शूटिंग के दौरान राजेश खन्ना ने धीरज कुमार को बुलाया और उन्हें 5 लाख रुपयों से भरा सूटकेस खोलने को कहा। तबसे वह सेट पर सभी को वह सूटकेस दिखाते रहते।

राजेश खन्ना को फिर फिल्म की स्क्रिप्ट मिली, जिसे पढ़कर उनके होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत ही सलीम-जावेद को बुलाया और स्क्रिप्ट पर काम करने को कहा। उस वक्त सलीम-जावेद बड़ा नाम नहीं थे और सिप्पी फिल्म्स में काम कर रहे थे। वो मान गए। सलीम ने यासिर उस्मान को बताया था, राजेश खन्ना ने मोटी रकम ली थी। उन्होंने मुझे बुलाया और कहा कि ये बहुत ही घटिया स्क्रिप्ट है।

## आज का राशिफल

**मेष**

आज दिन सफलता से भरा होगा। ऑफिस में आपके प्रदर्शन को देखकर कुछ लोगों का मूड खराब हो सकता है। आपसे कुछ लोगों को चिढ़ हो सकती है। दिन परोपकार में व्यतीत होगा और आपको दूसरों की मदद करने से खुशी होगी। आप अपने अच्छे व्यवहार से माहौल को काफी खुशनुमा बना देंगे।

**वृष**

आज दिन सफलता से भरा होगा और परिजनों के साथ आपका अच्छा वक्त बीतेगा। आपको कहीं से कोई दोपहर तक हर्षवर्धक शुभ समाचार भी मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। ऐसा कोई काम न करें कि आपकी सेहत को नुकसान हो।

**तुला**

आज शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि के योग हैं और आपके लिए आय के नए स्रोत बन रहे हैं और आपके सम्मान में वृद्धि होने से आपको खुशी होगी। आपको वाक्पटुता आपको विशेष सम्मान दिलाएगी। भागदौड़ अधिक रहने के कारण मौसम का विपरीत प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ सकता है।

**वृश्चिक**

आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होने से आपकी तरक्की होगी। आपके धन सम्मान और यश कीर्ति में वृद्धि होगी। आपका रुका कार्य पूर्ण होगा और आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपको वाणी पर संयम न रखने से विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

**मिथुन**

आज दिन शुभ है और आपको पिता के आशीर्वाद और उच्चाधिकारियों की तरफ से कोई शुभ समाचार की कृपा से किसी बहुमूल्य वस्तु अथवा संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा आज पूरी होगी। व्यस्तता अधिक रहेगी और व्यर्थ व्यय से बचें।

**कर्क**

आज लाभ होगा और आपको अचानक से बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति होने से खुशी का अनुभव होगा। आपके कोष में वृद्धि होगी और कारोबार में योजनाएं सफल होंगी। कोष की स्थिति बेहतर होगी और आपको भाग्य का साथ मिलेगा।

**धनु**

आज करियर के मामले में लाभ होगा और गृहोपयोगी वस्तुओं पर आपका धन काफी खर्चा होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी और आपकी तरक्की होगी। आपको अधीनस्थ कर्मचारी या किसी सम्बन्धी के कारण तनाव मिल सकता है।

**मकर**

आज करियर के मामले में दिन शुभ है। आपके मन के अनुकूल लाभ होने का हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में बेहतर होगी। आपके व्यवसाय परिवर्तन की योजना बन रही है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता और पारिवारिक उत्तरदायित्व पूर्ण होंगे। शाम को आपके लिए धार्मिक यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा।

**सिंह**

आज दिन शुभ है और आपको हर कार्य में आशातीत सफलता प्राप्त होगी और आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा। संतान के प्रति आपके दायित्व की पूर्ति होगी और आप काफी तरक्की करेंगे। रुका हुआ कार्य भी सम्पन्न होगा। पाचन क्रिया मंद होने से आपको नुकसान हो सकता है।

**कन्या**

आज दिन सफलता से भरा रहेगा और आपका भाग्य साथ दे रहा है। आपको वृद्धजनों की सेवा और पुण्य कार्य पर धन व्यय करने से खुशी होगी। आपके सभी जरूरी कार्य बिना किसी बाधा के पूर्ण होंगे। दाम्पत्य जीवन में सुखद स्थिति रहेगी।

**कुंभ**

आज दिन काफी खर्च वाला रहेगा। आपको फालतू खर्च काफी करना पड़ सकता है। भागदौड़ व अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है। किसी संपत्ति के क्रय विक्रय के समय उसके पूर्व संपत्ति के सारे वैधानिक पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर लें। शाम के समय स्थिति में सुधार होगा। पूर्ण स्वस्थ होने में समय लगेगा।

**मीन**

आज जीवन आनन्ददायक बीतेगा। आपको किसी मामले में पास और दूर की सकारणीय यात्रा भी हो सकती है। बिजनस में बढ़ती प्रॉग्रेस से काफी खुशी होगी। विद्यार्थियों को मानसिक बौद्धिक भार से छुटकारा मिलेगा। शाम के समय घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

## संक्षिप्त समाचार

### खुद के गिरेबान में झांके कांग्रेसः मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार विवाद पर भड़के केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार को लेकर शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। जहां एक तरफ कांग्रेस ने भाजपा पर स्मारक के लिए जगह ना देने और पहले सिख प्रधानमंत्री का अपमान करने का आरोप लगाया है तो वहीं दूसरी तरफ भाजपा ने कहा है कि कांग्रेस दिखावे की राजनीति कर रही है। मनमोहन सिंह की अस्थि विसर्जन के दौरान कांग्रेस के मौजूद ना होने को लेकर भी खूब विवाद हुआ। अब भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने रविवार को कहा है कि कांग्रेस पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार पर एक पैरलल नैरेटिव गढ़ रही है। उन्होंने इसे बेहूदा भी बताया है। स्मारक को लेकर हो रहे विवाद और की कांग्रेस की आलोचना से जुड़े सवालों के जवाब में हरदीप पुरी ने रविवार को कहा, ये बिल्कुल बेहूदा बात लगती है। सिख समुदाय ने हमेशा मनमोहन सिंह जी का आदर किया है। हम उनके काम से सदैव प्रेरणा लेते रहे हैं। अब भी अस्थि विसर्जन के समय सिख समुदाय मौजूद था। वहां कांग्रेस का कोई भी नेता मौजूद नहीं था। ऐसे में ये कहना कि सिख समुदाय का अपमान हुआ है ये बिल्कुल गलत बात है। हरदीप सिंह पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा कि कांग्रेस को आत्मचिंतन करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, जो लोग सरदार डॉ. मनमोहन सिंह जी के अंतिम संस्कार के संबंध में एक कहानी गढ़ रहे हैं, वे उनकी स्मृति और उनके चरित्र के साथ बहुत बड़ा अन्याय कर रहे हैं। उनके पार्थिव शरीर को तिरंगे में लपेटकर पूरे राजकीय और सैन्य सम्मान के साथ राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया और 21 तोपों की सलामी दी गई। सात दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है और झंडे आधे झुके रहेंगे। हम उनकी यादों और मूल्यों को संजो कर रखेंगे। कांग्रेस पार्टी जो विवादों और झूठों के साथ इस मौके की गरिमा को खराब कर रहे हैं, उन्हें आत्मचिंतन करना चाहिए।

### सपा ने सीएम फडणवीस से किया आग्रह, मार्च 2025 से पहले लंबित बीएमसी चुनाव कराएं

नई दिल्ली, एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) विधायक रईस शेख ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर राज्य सरकार से बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) सहित स्थानीय निकायों के लंबे समय से लंबित चुनाव 7 मार्च 2025 से पहले कराने का आग्रह किया है। सपा नेता ने उपमुख्यमंत्री और शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे को भी संबोधित पत्र में महाराष्ट्र में स्थानीय निकायों में लोकतांत्रिक शासन बहाल करने में हो रही देरी को उजागर किया। शेख ने अपने पत्र में कहा कि बीएमसी 7 मार्च 2022 से निर्वाचित प्रतिनिधियों के बिना काम कर रही है, जब इसका पिछला कार्यकाल समाप्त हो चुका है। वर्तमान प्रशासक 7 मार्च 2025 तक अपने कार्यकाल के तीन साल पूरे करने वाले हैं। उन्होंने कहा, यह भारतीय लोकतंत्र के लिए गर्व की बात नहीं है कि देश की आर्थिक राजधानी इतने लंबे समय तक जनप्रतिनिधियों के बिना चल रही है। शेख ने यह भी कहा कि राज्य में 29 नगर निगमों, 228 नगर परिषदों, 29 नगर पंचायतों, 26 जिला परिषदों और 289 पंचायत समितियों के चुनाव अभी लंबित हैं। उन्होंने मांग की कि लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए बीएमसी सहित इन चुनावों को बिना किसी देरी के कराया जाना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, वार्डों की संख्या, प्रति वार्ड पार्षदों की संख्या और वार्डों के गठन की प्रक्रिया से संबंधित सुप्रीम कोर्ट में चल रहे मामलों के कारण ये चुनाव अप्रैल से पहले होने की संभावना नहीं है। राज्य के सभी 29 नगर निगमों के साथ-साथ लगभग 280 नगर परिषदों और नगर पंचायतों के चुनाव अभी भी लंबित हैं। इन स्थानीय निकायों का प्रबंधन वर्तमान में प्रशासकों द्वारा किया जा रहा है। कुछ मामलों में नगर निगमों के चुनाव 2 से 3 साल तक टल गए हैं। गौरतलब है कि मार्च 2022 में कार्यकाल समाप्त होने के बाद से बीएमसी एक नियुक्त अधिकारी के अधीन है।

### केजरीवाल के बाद संजय सिंह ने लगाया भाजपा पर आरोप, कहा- पत्नी का नाम मतदाता सूची से हटवाने का प्रयास कर रही पार्टी

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा उनकी पत्नी का नाम नयी दिल्ली विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची से हटवाने का प्रयास कर रही है। दिल्ली विधानसभा चुनाव फरवरी में प्रस्तावित है। पत्नी अनीता सिंह के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा दिल्ली में बसे पूर्वांचली लोगों के नाम हटाने की कोशिश कर रही है। सिंह और उनकी पत्नी पूर्वी उत्तर प्रदेश से ताल्लुक रखते हैं। पूर्वांचली पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के लोग हैं, जो दशकों से दिल्ली में बसे हैं और शहर में मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा हैं। संजय सिंह ने दावा किया कि आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल के प्रतिनिधित्व वाली नयी दिल्ली सीट की मतदाता सूची से उनकी पत्नी का नाम हटाने के लिए 25 और 26 दिसंबर को दो आवेदन दायर किए गए थे।

# दो गज जमीन तक नहीं दी, कांग्रेस पर बरसे पीवी नरसिम्हा राव के भाई; सोनिया गांधी को भी घेरा

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद अंत्येष्टि और स्मारक को लेकर राजनीति शुरू हो गई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बीजेपी पूर्व प्रधानमंत्री का अपमान कर रही है। जिस तरह अटल बिहारी वाजपेयी का अंतिम संस्कार हुआ था उसी तरह मनमोहन सिंह का भी जहां अंतिम संस्कार हो, वहीं स्मारक बनना चाहिए। इसपर लोगों को पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की याद आ गई कि किस तरह से उन्हें दिल्ली में अंतिम संस्कार नहीं करने दिया गया। यहां तक कि उनके पार्थिव शरीर के लिए कांग्रेस मुख्यालय के दरवाजे भी बंद कर दिए गए। इसी को लेकर पीवी नरसिम्हा राव के भाई मनोहर राव ने कांग्रेस और सोनिया गांधी दोनों को घेरा है।

मनोहर राव ने कहा, पीवी नरसिम्हा के लिए सोनिया गांधी भी नहीं पहुंचीं। कांग्रेस के प्रधानमंत्री का निधन हो गया और वे हैदराबाद भी नहीं आ सके। उन्हें सोचना चाहिए कि पहले खुद को सुधार लें। निगम बोध घाट में किसी का भी अंतिम संस्कार हो सकता है। आप लोगों ने पीवी नरसिम्हा राव की एक प्रतिमा तक नहीं लगाई। इतने साल सत्ता मेंरहकर भी भारत रत्न नहीं दे पाए। आपने पूर्व प्रधानमंत्री को क्या सम्मान दिया क्या सम्मान किया। आप बोल रहे हैं कि मनमोहन सिंह का यह नहीं हुआ, वह नहीं हुआ। जो हुआ अच्छा हुआ। उनकी कुछ प्रक्रिया है। वे ट्रस्ट वगैरह बनाकर देंगे।

उन्होंने कहा, इतने प्रधानमंत्री मरे लेकिन उन लोगों का नाम ही दिल्ली में नहीं है। मोदी ने प्रधानमंत्रियों को सम्मान दिया और एक ही जगह संग्रहालय बना दिया। इतनी जमीन दी। वहीं मनमोहन सिंह को भी जगह मिलेगी। आप प्रक्रिया तो पूरी करें। कांग्रेस वालों को यह अच्छा है या यह बुरा है। लेकिन हम तो सब देख रहे हैं। मोदी इसपर कुछ नहीं बोल रहे हैं और वह भारत के विकास के लिए काम कर रहे हैं। हमारे भाई कांग्रेस में थे और हम भी कांग्रेस में हैं। मोदी जी ने उन्हें भारत रत्न दिया।

मनोहर राव ने कहा, दिल्ली में मनमोहन सिंह को हमने एक कार्यक्रम में बुलाया था। हमने उन्हें पीवी नरसिम्हा राव सम्मान दिया। इन्हें गोल्ड मेडल दिया गया। मनमोहन सिंह के साथ हमारा बहुत नजदीक का रिश्ता था। हमारी बातचीत भी होती थी। हमको उनसे कोई दिक्कत नहीं है। 10 साल उन्होंने काम किया लेकिन उनके हाथ में कुछ नहीं था। वह स्वतंत्र होकर काम नहीं कर पाए। मनमोहन सिंह बहुत पढ़े लिखे शख्स थे। कांग्रेस वालों ने तो मुख्यालय का दरवाजा तक नहीं खोला था। इससे ज्यादा अपमान क्या हो सकता है। जो कुछ हुआ था उसपर मैंने दुख प्रकट किया है।

मनोहर राव ने कहा, मनमोहन सिंह के निधन पर मुझे गहरा दुख है। वह 10 साल प्रधानमंत्री थे। उससे पहले पीवी नरसिम्हा राव की कैबिनेट में वित्त मंत्री थे। उस वक्त उन्हें फ्री हैंड देकर वित्त मंत्री बनाया गया था। मनमोहन सिंह जी उस जमाने में उस जमाने में बहुत परिवर्तन लाए थे। उन्होंने हिम्मत से काम किया। प्रधानमंत्री और मनमोहन सिंह जी ने गुरु शिष्य की तरह काम किया। उस जमाने में और आज में जमीन आसमान का फर्क है। आज सब लोग यहां आकर ट्रेड करना और उद्योग लगाना पसंद करते हैं। तब से अब तक कोई नई नीति नहीं आई। बता दें कि 2004 में यूपीए की सरकार के दौरान ही पीवी नरसिम्हा राव का निधन हुआ था। उनका परिवार मांग कर रहा था कि उनका अंतिम संस्कार दिल्ली में ही करवाया जाए और एक स्मारक बनवाया जाए। उस समय के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी ने परिवार को स्मारक बनवाने का आश्वासन देकर पार्थिव शरीर को हैदराबाद ले जाने को कहा। उनका परिवार मान गया लेकिन 10 साल के शासन के दौरान ना तो उनका स्मारक बना और ना ही भारत रत्न दिया गया। गौर करने वाली बात यह भी थी कि अन्य प्रधानमंत्रियों की तरह उनके शव को कांग्रेस मुख्यालय में भी रखने नहीं दिया गया था। जानकारों का कहना है कि गांधी परिवार नहीं चाहता था कि आर्थिक सुधारों का क्रेडिट पीवी नरसिम्हा राव को दिया जाए। इसके अलावा गांधी परिवार यह भी मानता था कि अयोध्या में बाबरी का ढांचा गिराने के पीछे उनकी भी मिलीभगत थी।

## पुणे में भाजपा सांसद ने हरे रंग की दीवार को बनाया 'भगवा'; जमकर हो रहा बवाल

पुणे, एजेंसी। बीजेपी सांसद मेधा कुलकर्णी ने महाराष्ट्र में नया बखेड़ा खड़ा कर दिया है। मेधा कुलकर्णी ने बीते शनिवार पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर शहर में एक हरे रंग की दीवार को भगवा रंग से पेंट कर दिया। इसके बाद राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। भाजपा सांसद के इस कदम पर विपक्षी दल हमलावर हो गए हैं। वहीं भाजपा की राज्यसभा सांसद मेधा कुलकर्णी को दीवार को रंगने के पीछे यह तर्क दिया है कि दीवार को जान-बूझ कर हरा कर दिया गया था जो एक साजिश का हिस्सा है। ममता कुलकर्णी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर इस बात की जानकारी साझा की थी। उन्होंने इस पोस्ट के साथ दीवार को रंगने की कुछ तस्वीरें भी शेयर की। उन्होंने पोस्ट में लिखा, कल एक व्हाट्सएप मैसेज वायरल हुआ कि सदाशिव पेठ में ज्ञानप्रबोधिनी स्कूल के बगल वाली गली को हरे रंग से रंगा गया है और वहां माला, फूल और अगरबत्ती जलाई गई है। मैं आज इसकी जांच करने गई थी। मैंने संग्राम ढोले पाटिल, संकेत मेहंदले, यशपाल जाधव की के साथ मिलकर दीवार को भगवा बनाया। हरे रंग पर भगवा रंग लगाना मजेदार था। भाजपा सांसद ने इसे एक साजिश का हिस्सा बताते हुए कहा, सिर्फ पुणे में ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र सहित कई अन्य जगहों पर भी हाल ही में इस प्रकार की गतिविधियां बढ़ी हैं। ये स्थान पहले आकार में छोटे थे, बाद में अचानक इन पर कब्जा कर लिया गया। आइए हम सतर्क रहें। उन्होंने आगे कहा, मेरा सभी से एक ही अनुरोध है एक जागरूक हिंदू के रूप में आइए हम अपने आस-पास जो हो रहा है उस पर ध्यान दें और एक्शन लें।

## कब्रिस्तान के चौकीदार की गला रेतकर हत्या, सित्जोफ्रेनिया से पीड़ित व्यक्ति गिरफ्तार

नागपुर, एजेंसी। महाराष्ट्र के नागपुर शहर में सित्जोफ्रेनिया से पीड़ित एक व्यक्ति ने कब्रिस्तान के 67 वर्षीय चौकीदार की कथित तौर पर गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार दोपहर जरीपटका पुलिस थाना क्षेत्र के मेकोसाबाग इलाके में हुई जिसके बाद 39 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। उसने बताया कि हत्या के पीछे का मकसद अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने बताया कि मृतक आरोपी के पिता का करीबी दोस्त था। जरीपटका पुलिस थाने के एक अधिकारी ने एक प्रत्यक्षदर्शी के हवाले से बताया कि आरोपी की पहचान अनोन मिथिला प्यारेजी के रूप में हुई है, जो मोटरसाइकिल से कब्रिस्तान पहुंचा था। उसने रमेश लक्ष्मणराव शिंदे से बात की और फिर कुछ ही मिनटों में धारदार हथियार से उसका तौर पर उसका गला रेत दिया, जिसके बाद वह जमीन पर गिर गया। अधिकारी ने बताया कि कुछ स्थानीय लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया तथा उसकी पिटाई की और बाद में उसे जरीपटका पुलिस के हवाले कर दिया गया। उन्होंने बताया कि रमेश लक्ष्मणराव शिंदे का बुरी तरह से खून बह रहा था जिसके बाद उसे मेयो अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

# जजों के रिश्तेदार नहीं बनेंगे जज! कॉलेजियम में नाम आगे न बढ़ाने पर विचार

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्च न्यायालयों और सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति को लेकर ऐसी धारणा अकसर बनाई जाती रही है कि पहली पीढ़ी के वकीलों को चयन प्रक्रिया में तवज्जो नहीं दी जाती। इसकी बजाय ऐसे लोगों को जज के तौर पर प्रमोट किया जाता है, जो दूसरी पीढ़ी के वकील हों और उनके परिजन पहले से जज हों। अब इस धारणा को खत्म करने की पहल कॉलेजियम की ओर से हो सकती है। अब कहा जा रहा है कि कॉलेजियम ऐसे लोगों के नामों को आगे बढ़ाने से परहेज करेगा, जिनकी परिजन या रिश्तेदार पहले से हाई कोर्ट या फिर उससे उच्चतम न्यायालय के जज हों। यदि ऐसा हुआ तो फिर जजों का चयन करने वाली कॉलेजियम की प्रक्रिया में यह बड़ा बदलाव होगा। बता दें कि जजों में ऐसे लोगों की बड़ी संख्या है, जिनका कोई फैमिली मेंबर या फिर रिश्तेदार पहले भी लीगल प्रोफेशन से जुड़े रहे हैं।

जानकारी मिली है कि कॉलेजियम में शामिल कुछ जजों का ही प्रस्ताव था कि ऐसे लोगों के नामों को आगे न बढ़ाया जाए, जिनके परिजन या रिश्तेदार पहले से जज हैं या फिर रह चुके हैं। इस बारे में जब मंथन हुआ तो यह बात भी उठी कि इस तरह का फैसला लेने से तो कुछ ऐसे लोग भी छंट जाएंगे, जो योग्य हैं। इस पर कॉलेजियम में ही दलील दी गई कि ये लोग एक सफल वकील के तौर पर अच्छी जिंदगी गुजार सकते हैं। इन लोगों के पास पैसे कमाने के अवसरों की भी कमी नहीं होगी। भले ही कुछ लोगों के लिए यह नुकसानदायक होगा, लेकिन व्यापक हित में यह फैसला गलत नहीं है। कॉलेजियम की ओर से खुद ही इस तरह का फैसला लेना मायने रखता है क्योंकि

सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संवैधानिक बेंच ने 2015 में राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग को खारिज कर दिया था।

इस संस्था के गठन से जुड़े कानून को सरकार ने संसद से सर्वसम्मति से पारित करा लिया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उस पर रोक लगा दी थी। ऐसे में अब कॉलेजियम की ओर से खुद ही जजों की नियुक्ति प्रक्रिया सुधार का प्रस्ताव लाना अहम है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट में तब इस्कृष्ट को खारिज किया गया था, तब उसका पक्ष रखते हुए एक वकील ने परिवारवाद वाली दलील दी थी। वकील का कहना था कि ऐसी भावना लोगों के मन में है कि कॉलेजियम सिस्टम में जज ही जज को चुनते हैं। यह ऐसा ही है कि आप मेरी पीठ खुजलाएं और मैं आपकी। इसके माध्यम से कई बार ऐसे लोग ही चुने जाते हैं, जिनके परिवारों के लोग पहले से ही न्यायिक व्यवस्था में बैठे हैं। एक वकील ने कहा था कि ऐसे 50 फीसदी जज हाई कोर्ट में हैं, जिनके परिजन पहले से ही अदालत में थे।

माना जा रहा है कि उस धारणा को तोड़ने के लिए कॉलेजियम में बदलाव की व्यवस्था की जा रही है। हालांकि अभी यह महज एक प्रस्ताव ही है। इस पर अमल होने में अभी वक्त लगेगा। बता दें कि कॉलेजियम सिस्टम की आलोचना भी कई बार सरकार की ओर से की जाती रही है। इसके अलावा सिविल सोसायटी में भी कॉलेजियम सिस्टम की खामियों पर चर्चा होती रही है। गौरतलब है कि कॉलेजियम सिस्टम में एक और सुधार हाल ही में देखने को मिला है। अब कॉलेजियम में शामिल जज नियुक्ति से पहले संबंधित लोगों से मुलाकात भी कर रहे हैं और इंटरव्यू आदि लेते हैं।

# पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति के नाम पर हरियाणा का गांव कार्टरपुरी, जिमी कार्टर की मां को भी था गहरा लगाव

चंडीगढ़, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर का रविवार को निधन हो गया है। वह सबसे ज्यादा उम्र जीने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति हैं। 100 साल की उम्र में घर पर ही उनका निधन हुआ है। आपको जानकर हैरानी होगी की उनके नाम पर हरियाणा के एक गांव का नाम रखा गया है। इसे कार्टरपुरी के नाम से जाना जाता है। देश में आपातकाल हटने के बाद मोरारजी देसाई की सरकार में जिमी कार्टर भारत के दौरे पर आए थे। इस दौरान वह गुरुग्राम के दौलतपुर नसीराबाद गांव गए थे। लोगों ने उनका जमकर स्वागत किया और स्थानीय उपहार भेंट किए। उनके सम्मान में ही इस गांव का नाम कार्टरपुरी रख दिया गया था।

कार्टर सेंटर के मुताबिक 3 जनवरी 1978 को जिमी कार्टर और फर्स्ट लेडी रोजालिन कार्टर इस गांव में गए थे। वह भारत का दौरा करने वाले तीसरे राष्ट्रपति थे। उनकी मां लिलियन ने इ गांव में 1960 के दौरान काफी काम किया था। इसीलिए उनके सम्मान में गांव वालों ने इलाके का नाम ही कार्टरपुरी रख दिया।

कार्टर अमेरिका लौट गए लेकिन उस समय इस गांव से वाइट हाउस का कनेक्शन बरकरार रहा। 2002 में कार्टर को शांति का नोबेल पुरस्कार दिया गया। कार्टर सेंटर के मुताबिक कार्टर पुरी में 3 जनवरी को छुट्टी रहती है। नसीराबाद गांव दिल्ली के करीब था और उनकी मां यहां जाया करती थीं। इसीलिए जिमी कार्टर ने अपने दौरे के लिए इस गांव को चुना था। जिमी कार्टर ने 1978 में भारतीय संसद में भाषण भी दिया था। उन्होंने सत्तावाद के खिलाफ अपनी बातें रखी थीं। कार्टर प्रशासन और भारत ने तकनीक, मानवीय सहायता, ऊर्जा और अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में मिलकर काम किया। साल 2000 में दोनों देशों के बीच असैन्य परमाणु सहयोग पर राजी हुए। कार्टर ने 2 जनवरी 1978 को भारतीय दौरे के समय कहा था, भारत जिस संकट का सामना कर रहा है उसका अनुभव कई बार हमें भी होता है। विकसित होती इस दुनिया में इस तरह के संकट बढ़ रहे हैं।

## दिल्ली में पड़ रही कड़ाके की ठंड, गिर गया पारा, उत्तर-पश्चिमी हवाओं से वायु गुणवत्ता में सुधार

नईदिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इन दिनों पारा नीचे गिरता जा रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में पारा सामान्य से ऊपर रहा है। हालांकि ठंडी उत्तर-पश्चिमी हवाओं ने हवा की गुणवत्ता में सुधार किया है, जिससे लोगों के लिए सांस लेना थोड़ा बेहतर हो गया है। पारा गिरने से न्यूनतम तापमान 10.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। ये सामान्य से चार डिग्री अधिक दर्ज हुआ है। एक दिन पहले ये तापमान 13 डिग्री सेल्सियस पर था। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि मंगलवार को न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की और गिरावट आने की संभावना है। ये तापमान सात डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। सोमवार को सुबह 8 बजे औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 179 (मध्यम) दर्ज किया गया, जबकि रविवार को शाम 4 बजे यह 225 (खराब) था, क्योंकि पश्चिमी विक्षोभ के कारण रविवार को उत्तर-पश्चिमी हवाएं वापस आ गईं, जिससे शुक्रवार और शनिवार को उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में बारिश हुई। निजी मौसम पूर्वानुमानकर्ता स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष महेश पलावत ने कहा, 31 दिसंबर और 1 जनवरी को भी तेज उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने की उम्मीद है। इसके साथ ही साफ आसमान भी पारे को और नीचे गिराने में मदद करेगा। दिन भी काफी ठंडे रहेंगे और अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहेगा।

उन्होंने कहा कि 2 जनवरी से एक और पश्चिमी विक्षोभ के क्षेत्र में आने की उम्मीद है। सुबह 5:30 बजे हल्के कोहरे के कारण सफदरजंग में दृश्यता घटकर 600 मीटर रह गई, जो दिल्ली के मौसम का प्रतिनिधित्व करती है। रविवार को आईएमडी ने उत्तर-पश्चिम भारत के अलग-अलग हिस्सों में शीत लहर की स्थिति लौटने का अनुमान जताया था और एक जनवरी तक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सुबह के समय मध्यम से घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी जारी की थी। आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा, हालांकि दिल्ली में शीत लहर की संभावना नहीं है, लेकिन न्यूनतम तापमान में अभी भी 5-6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी।

# संक्रांति के बाद भाजपा को मिलेगा नया अध्यक्ष, 15 जनवरी तक रखा है टारगेट

नई दिल्ली, एजेंसी। जेपी नड्डा बीते 4 सालों से अधिक समय से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हुए हैं। उनका कार्यकाल बीते साल ही समाप्त हो गया था, लेकिन लोकसभा चुनाव को देखते हुए उन्हें विस्तार मिल गया था। अब इलेक्शन के नतीजे आए भी 6 महीने से ज्यादा का वक्त बीत चुका है, लेकिन अब तक भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ही हैं। इस बीच पार्टी में संगठन बदलने की कवायद तेज हो गई है और सूत्रों का कहना है कि संक्रांति के बाद भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। इसे लेकर बैठकें शुरू हो चुकी हैं और जल्दी ही किसी नेता के नाम पर मुहर लग सकती है। सूत्रों का कहना है कि भूपेंद्र यादव, अनुराग सिंह ठाकुर, शिवराज सिंह चौहान समेत कई ऐसे नेता हैं, जिन्हें अध्यक्ष बनाने का फैसला हो सकता है। फिलहाल पार्टी 15 जनवरी तक जिला और राज्य के अध्यक्ष बना लेना चाहती है। संक्रांति तक कम से कम आधे राज्यों को नए अध्यक्ष मिल जाएंगे और फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कराया जाएगा। खबर है कि महीने के अंत तक पार्टी को नया अध्यक्ष मिल सकता है। रविवार को भाजपा ने इस संबंध में मुख्यालय में मीटिंग भी बुलाई थी। इस मीटिंग में संगठन महामंत्री बीएल संतोष के अलावा जेपी नड्डा समेत कई अधिकारी मौजूद थे। इस मीटिंग में संगठन पर्व को लेकर भी चर्चा हुई है।

इसके तहत सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। पार्टी का मानना है कि एक फुल प्रूफ व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे पता चल सके कि कौन संगठन से जुड़ रहा है। पार्टी नेताओं के अनुसार यह तैयारी है कि घर-घर जाकर भी सदस्य बनाए जाएं। इससे लोगों तक पहुंच बनाने का एक मौका पार्टी को मिल सकेगा। बता दें कि इसी साल अक्टूबर में भाजपा ने 10 करोड़ सदस्यों का आंकड़ा पार कर लिया था। रविवार को जेपी नड्डा और बीएल संतोष ने संगठन चुनाव का जायजा लिया। एक अधिकारी ने कहा कि यह सफल मीटिंग थी। हमने संगठन के सभी पहलुओं पर विचार किया। इस मीटिंग में यह भी तय हुआ है कि अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती को पूरे वर्ष मनाया जाएगा। साल भर इस अवसर पर अलग-अलग कार्यक्रम का आयोजन होगा। पूरे साल अटल जी की जयंती को सुशासन वर्ष के तौर पर मनाया जाएगा। फिलहाल पार्टी का जोर इस बात पर है कि संक्रांति तक जिला और राज्यों के अध्यक्ष तय कर लिए जाएं। उसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू की जाए। बता दें कि आमतौर पर किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत संक्रांति के बाद ही की जाती है। हिंदू धर्म की इस मान्यता का भाजपा की ओर से भी पालन होता रहा है।

### जायसवाल का कैच आउट विवाद

## गावस्कर और शास्त्री ने अंपायर के फैसले को बताया गलत

**मेलबर्न, एजेंसी।** पूर्व भारतीय क्रिकेट सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री ने सोमवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच के दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल को पैट कमिंस की गेंद पर तीसरे अंपायर के फैसले गलत बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

भारत की दूसरी पारी के 71वें ओवर में जायसवाल ने कमिंस की शॉर्ट पिच गेंद को पुल करने का प्रयास किया था लेकिन गेंद उनके बल्ले के बेहद करीब से निकली और कीपर ने पीछे कैच किया। ऑस्ट्रेलिया ने अपील की लेकिन मैदानी अंपायर जोएल विल्सन ने नकार दिया। कमिंस ने इस पर रिव्यू लिया और तीसरे अंपायर बंगलादेश के शफुद्दौला ने जब स्निको पर इस कैच को चेक किया तो कोई भी डिफलेक्शन नहीं दिख रहा था। लेकिन नॉर्मल वीडियो में दिख रहा था कि गेंद यशस्वी के ग्लब्स के पास से डिफलेक्ट हो रही थी।

तीसरे अंपायर ने नॉर्मल वीडियो के डिफलेक्शन पर भरोसा किया और स्निको को नकारते हुए आउट का फैसला दिया। इसके बाद कॉमेंटी कर रहे गावस्कर ने कहा, 'यह फैसला पूरी तरह से गलत है। तीसरे अंपायर को सबूत चाहिए और तीसरे अंपायर को उसी हिसाब से निर्णय देना होगा। अगर मैदानी अंपायर ने कोई निर्णय लिया है तो उसको बदलने के लिए पर्याप्त सबूत चाहिए होते हैं, जो इस मामले में नहीं था। ऐसे में आप तकनीक का प्रयोग क्यों ही कर रहे हैं। वीडियो में जो दिख रहा है, वह ऑप्टिकल इल्यूजन भी हो सकता है। वहीं शास्त्री ने कहा, 'बहुत कम बार ऐसा फैसला होता है, जहां पर स्निको में कुछ नहीं दिखता और आप मैदानी अंपायर के नॉट आउट के फैसले को बदल कर आउट का निर्णय लेते हैं। आज ऐसा लग रहा है कि स्निको ऑस्ट्रेलिया का छठा गेंदबाज है।

## दक्षिण अफ्रीका डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी

नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान को हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। प्रोटियाज ने 148 रन के मामूली लक्ष्य को रोमांचक अंदाज में हासिल किया और चौथे दिन 2 विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में शीर्ष पर अपनी जगह पक्की कर ली है। वह 11 मैचों में से सात जीत के बाद 66.67 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष पर है। अब तीसरे डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया या भारत में से एक उनका प्रतिद्वंद्वी होगा।

### दक्षिण अफ्रीका बनाम पाकिस्तान

सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका ने 27/3 के खतरनाक स्कोर से शुरुआत की। एडेन मार्कराम अपने स्कोर में 15 रन जोड़कर आउट होने वाले पहले खिलाड़ी बने। कप्तान टेम्बा बावुमा ने 40 रन बनाए, लेकिन मोहम्मद अब्बास की गेंद पर आउट हो गए जिससे एक बार फिर पाकिस्तान की उम्मीदें जगी। लेकिन मार्को जेनसन और कैगिसो रबाडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इन उम्मीदों पर पानी फेर दिया। जेनसन ने 16 रन बनाकर नाबाद रहते हुए विजयी रन बनाए और रबाडा 31 रन बनाकर नाबाद रहे। शनिवार को जेनसन के छह विकेटों की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 148 रन के छोटे लेकिन मुश्किल लक्ष्य को हासिल कर लिया।

स्टंप्स तक दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 27/3 था, जिसमें पाकिस्तानी तेज गेंदबाजों ने चौंकाने वाले नतीजे की संभावना पैदा कर दी थी। तीन साल से अधिक समय के बाद लंबे प्रारूप में वापसी करने वाले मोहम्मद अब्बास ने अंतिम सत्र में टोनी डी जोरजी (2) और ट्रिस्टन स्टब्स (1) को एलबीडब्लू आउट किया। इस बीच खुर्रम शहजाद ने कप्तान शान मसूद को रयान रिकेल्टन के खिलाफ सफल रिव्यू लेने के लिए राजी किया, जो पांच गेंदों पर शून्य पर आउट हो गए। पाकिस्तान की पारी के दौरान, सऊद शकील (84) और बाबर आजम (50) ने अर्धशतक लगाए लेकिन जेनसन के चार ओवर में तीन विकेटों ने पाकिस्तान को प्रभावित किया क्योंकि मेहमान टीम ने 88-3 से आगे खेलने के बाद 84 रन पर सात विकेट खो दिए।

# मेलबर्न टेस्ट हारा भारत
## ऑस्ट्रेलिया ने 184 रन से हराया

- **यशस्वी थर्ड अंपायर के विवादित फैसले पर आउट, सबसे ज्यादा 84 रन बनाए**

**मेलबर्न, एजेंसी।** भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट 184 रन से हार गई है।

इस हार का सबसे बड़ा कारण थर्ड अंपायर्स का एक विवादित फैसला रहा, जिसमें यशस्वी जायसवाल 84 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें फील्ड अंपायर ने नॉटआउट दिया था, लेकिन रिव्यू पर पर्याप्त सबूत नहीं होने के बावजूद थर्ड अंपायर्स ने उन्हें आउट किया। जब जायसवाल का विकेट गिरा, तब भारत को मैच ड्रॉ कराने के लिए 22 ओवर खेलने थे और 3 विकेट बाकी थे। ऐसे में यहां भारत मैच ड्रॉ करा सकता था, लेकिन यशस्वी के विकेट के बाद भारत का लोअर ऑर्डर (आखिरी 3 बैटर्स) बिखर गया।

सोमवार को टीम इंडिया के सामने यह स्थिति टॉप ऑर्डर बैटर्स के खराब परफॉर्मेंस की वजह से आई। यशस्वी के अलावा, शुरुआती 3 बल्लेबाज रोहित शर्मा (9), केएल राहुल (0) और विराट कोहली (5) दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाए। यशस्वी ने ऋषभ पंत के साथ 88 रन की साझेदारी कर टीम को शुरुआती झटकों से उबारा, लेकिन पंत ने खराब शॉट खेलकर अपना विकेट गंवा दिया। इसके बाद जडेजा और रेड्डी के भी विकेट जल्दी-जल्दी गिर गए।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान कमिंस ने एक ही ओवर में 2 विकेट लिए। वे 3 विकेट ले चुके हैं। मिचेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड, नाथन लायन और ट्रैविस हेड को एक-एक विकेट मिले। सुबह ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 234 रन बनाते हुए भारत को जीत के लिए 340 रन का टारगेट दिया था। इससे पहले, पहली पारी में भारत ने 369 और ऑस्ट्रेलिया ने 474 रन बनाए थे।

### इंडिया-ऑस्ट्रेलिया टेस्टः

## संन्यास मुबारक हो...
## रोहित-विराट को किसने दी विदाई?

**नईदिल्ली, एजेंसी।** टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली का खराब फॉर्म जारी है. मेलबर्न टेस्ट में भी इन खिलाड़ियों के बल्ले से रन देखने को नहीं मिले. ये दोनों ही खिलाड़ी अपने टेस्ट करियर के आखिरी पड़ाव पर हैं. ऐसे में उनके लिए ये दौरा काफी अहम है. लेकिन रोहित और विराट इस बड़े मौके का फायदा उठाने में नाकाम रहे हैं.

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बीच कई बार टीम इंडिया में बदलाव की मांग उठाई जा चुकी है और माना जा रहा है कि इन दिग्गजों में से कोई टेस्ट फॉर्मेट को छोड़ भी सकता है. मेलबर्न टेस्ट में जीत टीम इंडिया के लिए काफी जरूरी है, वरना वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने का सपना टूट सकता है. लेकिन इस बड़े मैच में रोहित शर्मा और विराट कोहली पूरी तरह फ्लॉप रहे. रोहित शर्मा ने मेलबर्न टेस्ट की पहली पारी में 3 रन बनाए थे. वहीं, दूसरी पारी में भी वह 9 रन का ही योगदान दे सके. दूसरी ओर विराट कोहली भी फ्लॉप रहे. पहली पारी में 36 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में सिर्फ 5 रन ही बना सके. इस खराब प्रदर्शन के बाद अब रोहित और विराट फैंस के निशाने पर आ गए हैं.

सोशल मीडिया पर भारतीय फैंस रोहित शर्मा और विराट कोहली को संन्यास की बधाई दे रहे हैं. यानी फैंस का मानना है कि इन दोनों खिलाड़ियों का टेस्ट करियर अब खत्म हो गया है और वह आगे टेस्ट खेलते हुए नजर नहीं आएंगे.

इन दोनों खिलाड़ियों के संन्यास को लेकर सोशल मीडिया पर कई पोस्ट वायरल हो रहे हैं और 'हैप्पी रिटायरमेंट.' का हैशटैग ट्रेंडिंग में हैं. एक यूजर ने विराट के फोटो को शेयर करते हुए लिखा, 'हैप्पी रिटायरमेंट विराट कोहली.' वहीं, एक यूजर ने रोहित के लिए लिखा, 'रोहित और विराट ने टेस्ट से लिया संन्यास! यादों के लिए धन्यवाद. हैप्पी रिटायरमेंट.'

## जींस पहनकर खेलने की अनुमति मिलने के बाद विश्व ब्लिट्ज चैंपियनशिप में लौटे कार्लसन

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार जींस पहनना मना था। उन्होंने तुरंत कपड़े बदलकर आने का अनुरोध मानने से इनकार कर दिया तो उन्हें अयोग्य करार दिया गया। टूर्नामेंट में रैपिड चैंपियनशिप के नौवें दौर में उन्हें किसी के खिलाफ उतारा नहीं गया।

फिडे से खिलाड़ियों को जींस पहनकर खेलने की अनुमति मिलने के बाद दुनिया के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन विश्व ब्लिट्ज चैंपियनशिप में लौटे जिन्हें ड्रेस कोड के उल्लंघन के कारण रैपिड वर्ग से बाहर कर दिया गया था। पांच बार के विश्व चैम्पियन कार्लसन पर शनिवार को फिडे के ड्रेस कोड का उल्लंघन करके जींस पहनकर आने के बाद 200 डॉलर का जुर्माना लगाया गया था। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार जींस पहनना मना था। उन्होंने तुरंत कपड़े बदलकर आने का अनुरोध मानने से इनकार कर दिया तो उन्हें अयोग्य करार दिया गया। टूर्नामेंट में रैपिड चैंपियनशिप के नौवें दौर में उन्हें किसी के खिलाफ उतारा नहीं गया। नीति में बदलाव की घोषणा करते हुए अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के अध्यक्ष अर्कांडी वोरवोविच ने कहा, मैंने पोशाक की उपयुक्तता के संबंध में निर्णय लेने में फिडे अधिकारियों को अधिक लचीलापन प्रदान करने के लिए इस नजरिये का प्रयोग करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, नियम सरल है कि आधिकारिक ड्रेस कोड का अभी भी पालन करना होगा लेकिन थोड़े से बदलाव (जैकेट के साथ जींस) की अनुमति दी गई है। बयान में कहा गया, फिडे को यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि मैग्नस कार्लसन फिडे विश्व ब्लिट्ज चैंपियनशिप में भाग लेंगे। कार्लसन ने रविवार को टूर्नामेंट के दौरान फिडे उपाध्यक्ष और भारत के महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद से मुलाकात की। बयान में कहा गया, फिडे कार्लसन और विश्व शतरंज समुदाय के साथ मिलकर फिडे प्रतिस्पर्धाओं में खिलाड़ियों और प्रशंसकों को सर्वश्रेष्ठ अनुभव देने की दिशा में काम करता रहेगा। कार्लसन ने अपनी भागीदारी की पुष्टि करते हुए कहा, मैं न्यूयॉर्क में कम से कम एक दिन और खेल रहा हूं।

अच्छा खेला तो अगले दिन भी। हमने कल इस बारे में बात की और फिडे अध्यक्ष से हमारे अच्छे संबंध हैं। आनंद ने कहा था कि फिडे के पास कार्लसन को अयोग्य करार देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था क्योंकि उन्होंने नियम को मानने से इनकार कर दिया था।

### डब्ल्यूटीसी लेटेस्ट टेबलः

### मेलबर्न में हार के बाद मुश्किल हुआ फाइनल का गणित, अब श्रीलंका के सहारे टीम इंडिया

**नईदिल्ली, एजेंसी।** भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 26-30 दिसंबर के दौरान मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में बॉक्सिंग-डे टेस्ट खेला गया. इस मुकाबले में भारतीय टीम को 184 रनों से करारी हार झेलनी पड़ी. मुकाबले में भारतीय टीम को जीत के लिए 340 रनों का टारगेट मिला था, मगर वह इस गेम को ड्रॉ भी नहीं करा सकी. अब बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 का आखिरी मुकाबला 3 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा. मेलबर्न टेस्ट में हार के बाद भारतीय टीम को वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप 2023-25 के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को गहरा आघात पहुंचा है. अब भारतीय टीम सिडनी टेस्ट जीतकर भी अपने दम पर फाइनल में नहीं पहुंच सकती है. सिडनी टेस्ट जीतने पर भारत को श्रीलंका की मदद चाहिए होगी. श्रीलंकाई टीम अगले साल जनवरी-फरवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने घर पर दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने जा रही है.

## रूस के 18 वर्षीय मुरजिन वोलोदर बने विश्व रैपिड चैम्पियन

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** रूस के 18 वर्षीय युवा खिलाड़ी अंतिम समय तक हार ना मानने के अपने बेहतरीन प्रयास के चलते शतरंज इतिहास के दूसरे सबसे युवा विश्व रैपिड चैम्पियन बन गए है। 13 राउंड के इस मुक़ाबले मे 12वें राउंड में मुरजिन भारत के प्रज्ञानन्दा के खिलाफ हार के बेहद करीब थे पर अंतिम समय में प्रज्ञानन्दा न्ने एक भारी भूल कर दी और मुरजिन हारी हुई बाजी जीत गए और इसके साथ ही वह 9.5 अंको के साथ के साथ खिताब के करीब पहुँच गए और अंतिम राउंड में उन्होने अर्मेनिया के केरेन गिरगोरयन के साथ ड्रॉ खेलते हुए अपना पहला विश्व खिताब और स्वर्ण पदक हासिल कर लिया।

विश्व रैपिड के पुरुष वर्ग के तीनों मेडल रूस नें अपने नाम किए, अलेक्जेंडर ग्रीसचुक नें यूएसए के दोमिंगेज पेरेज से ड्रॉ खेलते हुए 9.5 अंको के साथ रजत पदक तो यान नेपोमनिशि नें यूएसए के सविएन सेमुएल को पराजित करते हुए 9.5 अंको के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

भारत के अर्जुन एरिगैसी को अंतिम राउंड में दूसरा स्थान हासिल करने के लिए फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा को मात देनी थी पर उनकी बाजी ड्रॉ रही और अर्जुन 9 अंक ही बना सके और दोमिंगेज पेरेज के बाद पांचवें स्थान पर रहे अर्जुन को 36000 डॉलर पुरूस्कार के तौर पर मिले।

## यशस्वी जायसवाल को टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए नहीं किया गया नॉमिनेट

**नईदिल्ली, एजेंसी।** आईसीसी ने मेन्स टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 के लिए नॉमिनेट किए गए 4 खिलाड़ियों को नाम का ऐलान कर दिया। आईसीसी ने इस बार इस टाइटल के लिए चार खिलाड़ियों का चयन किया जिसमें जसप्रीत बुमराह, जो रूट, हैरी ब्रुक और कामिंदु मेंडिस शामिल हैं,

लेकिन इस लिस्ट में यशस्वी जायसवाल का नाम नहीं है जिनका प्रदर्शन इस साल यानी 2024 में टेस्ट प्रारूप में कमाल का रहा है।

आईसीसी ने बुमराह को इसलिए चुना क्योंकि उन्होंने साल 2024 में टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लिए तो वहीं जो रूट ने सबसे ज्यादा रन बनाए, लेकिन अगर हम हैरी ब्रुक और कामिंदु मेंडिस के आंकड़े को देखें तो वो यशस्वी जायसवाल से पीछे ही नजर आते हैं।

यशस्वी जायसवाल इस साल टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर रहे साथ ही दो दोहरा शतक भी उन्होंने लगाया।

# डिफेंडर्स के दम पर हरियाणा स्टीलर्स पहली बार बने पीकेएल चैंपियन

**पुणे, एजेंसी।** अपने डिफेंडर्स के शानदार प्रदर्शन की बदौलत हरियाणा स्टीलर्स ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में रविवार रात को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के फाइनल मुकाबले में तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स को 32-23 के अंतर से हराते हुए पहली बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है।

हरियाणा ने बीते साल भी फाइनल खेला था लेकिन वह पुनेरी पल्टन से हार गई थी। इसे हरियाणा के डिफेंडर्स बनाम पटना के रेडर्स का मुकाबला कहा जा रहा था और हरियाणा के डिफेंडर्स ने 11 के मुकाबले 16 अंकों के साथ लट्ठ गाड़ते हुए अपना वर्चस्व साबित किया और इस दौरान उन्होंने पटना के दोनों स्टार रेडर्स-देवांक (5) और अयान (3) को पूरी तरह रोके रखा। पटना के लिए डिफेंडर गुरदीप ने सबसे अधिक 6 अंक लिए। दूसरी ओर, हरियाणा के लिए शिवम पटारे (9) और मोहम्मदरेजा शादलू (7) ने दोनों विभागों में अपना कमाल दिखाया और राहुल सेतपाल (3) तथा जयदीप (2) के साथ मिलकर पटना के रेडरों की नकेल कसते हुए बतौर कोच मनप्रीत सिंह को चौथे प्रयास में पहला खिताब दिलाया।

बहरहाल, पहले खिताब की आस में हरियाणा ने मनमाफिक आगाज के साथ शुरुआती 10 मिनट में 7-5 की बढ़त बना ली थी। इस दौरान दोनों टीमें डिफेंस में 3-3 से बराबरी पर रहीं

लेकिन अयान और देवांक की नाकामी के कारण पटना रेडिंग में 4 के मुकाबले सिर्फ दो अंक ले सके। साथ ही शिवम पटारे पर लगाम नहीं लगा पाना भी उसे भारी पड़ता दिख रहा था।

ब्रेक के बाद हालांकि देवांक ने शादलू की छुट्टी कर वापसी के संकेत दिए। इसके बाद अयान ने भी अपने हाथ खोले और मल्टीप्वाइंटर के साथ स्कोर बराबर कर हरियाणा को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। अगली रेड पर शिवम ने अयान को सुपर टैकल कर हरियाणा को लीड दिला दी। शिवम डिफेंस में लगातार अंक ले रहे थे। हरियाणा 12-9 से आगे हो गए थे। इसके बाद अंकित ने विनय को लपका तो जयदीप ने देवांक को लपक इसका जवाब दिया। फिर नवीन ने डू और डाई रेड पर अंकित का शिकार कर लीड 4 कर दी। इसके बाद राहुल ने अयान को बैकहोल्ड कर लिया। पटना के लिए अब सुपर टैकल आन था।

गुरदीप ने इसका पूरा लाभ लिया और शिवम को सुपर टैकल कर हाफटाइम तक स्कोर 12-15 कर दिया। हाफटाइम के बाद सुधाकर ने नवीन को आउट कर देवांक को रिवाइव करा लिया। फिर दीपक ने विनय को आउट कर स्कोर 14-15 कर दिया। हरियाणा ने हालांकि लगातार दो अंक लेकर फासला फिर 3 का कर दिया लेकिन गुरदीप ने डू ओर डाई रेड पर शिवम को आउट कर न सिर्फ स्कोर 15-17 किया बल्कि हाई-5 भी पूरा किया।

## संक्षिप्त समाचार

### इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कराई प्रोस्टेट सर्जरी :रिकवरी के लिए अंडरग्राउंड कमरे में रखा गया

**तेल अवीव, एजेंसी।** इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की रविवार को प्रोस्टेट सर्जरी हुई है। डॉक्टर्स ने उनके शरीर से प्रोस्टेट को अलग कर दिया है। यरूशलम के हदासाह मेडिकल सेंटर में यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के प्रमुख डॉक्टर ओफर गोफ्रिट ने बताया कि सर्जरी सफलतापूर्वक हो गई है। नेतन्याहू को कैंसर या दूसरी किसी घातक बीमारी का डर नही हैं। 75 साल के नेतन्याहू पिछले कुछ वर्षों से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। नेतन्याहू ने इसी महीने एक केस की सुनवाई के दौरान बताया था कि वो सिगार के साथ 18 घंटे तक काम करते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के तौर पर 17 साल पूरे कर लिए हैं। नेतन्याहू की सर्जरी ऐसे समय में हुई है, जब उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के केस में सुनवाई चल रही है। दूसरी तरफ उन्हें गाजा युद्ध और हूती विद्रोहियों की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। सर्जरी के बाद रिकवरी के लिए नेतन्याहू को अंडरग्राउंड यूनिट में रखा गया है। इस अंडरग्राउंड यूनिट पर मिसाइल हमले का भी असर नहीं होगा। नेतन्याहू के कार्यालय ने इसकी जानकारी दी है। कार्यालय ने बताया कि सर्जरी के दौरान भी पूरी सावधानी बरती गई थी। सर्जरी के समय नेतन्याहू की जगह उनके न्याय मंत्री यारिव लेविन ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी संभाली थी। सर्जरी के बाद नेतन्याहू ने डॉक्टर्स का धन्यवाद किया। पिछले साल नेतन्याहू को दिल से जुड़ी बीमारी के बारे में पता चला था। इसके बाद उन्हें पेसमेकर लगाया गया था। इस साल उनकी हर्निया की सर्जरी भी हुई थी। नेतन्याहू अपनी छवि को ऊर्जावान नेता की बनाए रखने के लिए कोशिश करते रहते हैं। नेतन्याहू के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में चल रही सुनवाई रविवार को टाल दी गई।

### वेस्ट बैंक के जेनिन शहर में फलस्तीनी महिला की गोली मारकर हत्या

**गाजा पट्टी, एजेंसी।** फलस्तीन में वेस्ट बैंक के अशांत उत्तरी शहर जेनिन में एक फलस्तीनी महिला की उसके घर में गोली मारकर कथित तौर पर हत्या कर दी गई। पत्रकारिता की छात्रा शता अल-सब्बाग (22) के परिवार ने दावा किया कि शनिवार देर रात फलस्तीनी सुरक्षा बलों के एक कर्मी ने उसकी उस समय हत्या कर दी, जब वह अपनी मां और दो छोटे बच्चों के साथ थीं। उन्होंने कहा कि उस समय क्षेत्र में कोई आतंकवादी नहीं था। फलस्तीनी सुरक्षा बलों की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि उसे ''आतंकवादियों'' ने गोली मारी थी। सुरक्षा बलों ने गोलीबारी की निंदा की तथा इसकी जांच करने का संकल्प लिया। एक बयान में, अल-सब्बाग के परिवार ने फलस्तीनी सुरक्षा बलों पर आरोप लगाया कि वे फ्दमनकारी बन गए हैं जो अपने ही लोगों के सम्मान की रक्षा करने और (इजराइली) कब्जे के खिलाफ खड़े होने के बजाय उनके खिलाफ आतंकवादी कृत्यों को अंजाम दे रहे हैं।'' हमास आतंकवादी समूह ने भी सुरक्षा बलों को दोषी ठहराया और गोलीबारी की निंदा की। इसने कहा कि अल-सब्बाग उसके एक लड़ाके की बहन थी, जो पिछले वर्ष इजराइली सैनिकों के साथ लड़ाई में मारा गया था।

### अफगान तालिबान बलों की गोलीबारी में एक पाकिस्तानी सैनिक की मौत, 11 अन्य घायल

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान की सीमा चौकियों पर अफगान तालिबान बलों द्वारा की गई गोलीबारी में पाकिस्तानी अर्धसैनिक बल के एक जवान की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। गोलीबारी की यह घटना पाकिस्तान द्वारा प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों को निशाना बनाकर किए गए हमलों के कुछ दिन बाद हुई। रक्षा विभाग के सूत्रों ने कहा कि अफगान सैनिकों ने शनिवार सुबह 'अपर कुर्रम' जिले में कई पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर बिना उकसावे के गोलीबारी की। सूत्रों ने बताया कि अफगान सैनिकों ने घोजगढ़ी, माथा संगर, कोट राघा और तारी मेंगल इलाकों में स्थित सीमा चौकियों पर हल्के व भारी हथियारों से गोलीबारी की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने जवाबी कार्रवाई की, जिससे दूसरी तरफ भी काफी नुकसान हुआ और गोलीबारी में अफगान सेना के सात से आठ जवान मारे गए।

### चीन ने दुनिया की सबसे तेज ट्रेन चलाई, रफ्तार 450 किमी प्रतिघंटा

**बीजिंग, एजेंसी।** चीन ने रविवार को दुनिया की सबसे तेज हाई स्पीड बुलेट ट्रेन का नए मॉडल पेश किया. इस ट्रेन को लेकर ट्रेन के निर्माता ने दावा किया कि ट्रायल के दौरान इस ट्रेन की स्पीड 450 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक गई. इसके साथ ही यह ट्रेन दुनिया की सबसे तेज हाई स्पीड ट्रेन बन गई है. इस संबंध में चाइना स्टेट रेलवे ग्रुप कंपनी (चाइना रेलवे) के मुताबिक सीआर450 प्रोटोटाइप के रूप में इस नए मॉडल से लोगों को यात्रा में कम समय लगेगा साथ ही कनेक्टिविटी में भी सुधार होगा. फलस्वरूप यात्रियों के सफर और अधिक सुविधाजनक हो जाएगा. साथ ही सरकारी मीडिया ने बताया कि ट्रायल के दौरान सीआर450 प्रोटोटाइप की स्पीड 450 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई है. वहीं सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ के समाचार में बताया गया है कि यह वर्तमान में सेवा में मौजूद सीआर450 फक्सिंग हाई स्पीड रेल ( ।।स्क्र) से काफी अधिक है, जो 350 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से चलती है।

# सबसे लंबे समय तक अमेरिका के राष्ट्रपति रहे जिमी कार्टर का निधन

**जॉर्जिया, एजेंसी।** अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर का रविवार (अमेरिका के स्थानीय समय) को निधन हो गया. वह 100 वर्ष के थे. जिमी कार्टर अमेरिका के सबसे लंबे समय तक राष्ट्रपति रहे. उनके बेटे जेम्स ई कार्टर-3 ने इसकी जानकारी दी. जॉर्जिया स्थित घर पर उनका निधन हुआ. फिलहाल मौत के कारण का पता नहीं चल सका है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार फरवरी 2023 में वह कई बार अस्पताल में भर्ती हुए. बाद में अमेरिका के 39वें राष्ट्रपति ने आगे का चिकित्सा उपचार बंद करने और अपना शेष समय घर पर ही डॉक्टरों की देखरेख में बिताने का फैसला किया. हाल के वर्षों में उन्हें मेलेनोमा त्वचा कैंसर के एक रूप का इलाज किया गया था. इसमें ट्यूमर उनके लीवर और मस्तिष्क तक फैल गया था.

वाशिंगटन पोस्ट ने यह भी लिखा कि कार्टर की आखिरी तस्वीर एक अक्टूबर को उनके घर के बाहर परिवार और मित्रों के साथ खींची गई थी, जब वे अपने 100वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में शामिल हुए थे. अपने पूरे जीवनकाल में जिमी कार्टर ने कई भूमिकाएँ निभाई. वह एक छोटे शहर के मूंगफली किसान, अमेरिकी नौसेना के एक अनुभवी और 1971 से 1975 तक जॉर्जिया के गवर्नर थे. वह 1837 के बाद से डीप साउथ से पहले राष्ट्रपति बने. अमेरिका के 39वें राष्ट्रपति के रूप में कार्टर को कैंप डेविड समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए याद किया जाता है. इसके परिणामस्वरूप 1967 के छह दिवसीय युद्ध में कब्जाए गए क्षेत्र से पहली बार महत्वपूर्ण इजरायली वापसी हुई. साथ ही इजरायल तथा मिस्र के बीच शांति संधि हुई जो कायम है. नोबेल पुरस्कार वक्तव्य के अनुसार कार्टर को उनके प्रयासों के सम्मान में अंतरराष्ट्रीय संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान ढूंढने, लोकतंत्र और मानवाधिकारों को आगे बढ़ाने तथा आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के लिए दशकों के उनके अथक प्रयासों के लिए नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में पनामा नहर संधि को आगे बढ़ाने में कार्टर की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया. इसके तहत महत्वपूर्ण जलमार्ग को पनामा के नियंत्रण में लाया गया जिससे लैटिन अमेरिकी पड़ोसियों के साथ अमेरिका के संबंधों में सुधार हुआ. रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन द्वारा किए गए उद्घाटन का लाभ उठाते हुए कार्टर ने चीन को पूर्ण राजनयिक मान्यता प्रदान की तथा मानवाधिकारों को अमेरिकी विदेश नीति का केन्द्रीय विषय बनाया. कार्टर के बेटे बोले- मेरे पिता उन सबके लिए हीरो थे, जो प्यार में यकीन करते हैं जिमी कार्टर के बेटे चिप कार्टर ने रॉयटर्स से कहा, न सिर्फ मेरे लिए, बल्कि उन सभी लोगों के लिए हीरो थे, जो शांति, मानवाधिकार और निस्वार्थ प्रेम में विश्वास रखते हैं। जिस तरह से वे लोगों को साथ लाया करते थे, उसकी वजह से आज यह पूरी दुनिया हमारा परिवार है।

**जिमी कार्टर के निधन पर राजनेताओं के बयान... जो बाइडेन:** दुनिया ने असाधारण नेता खो दिया अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि आज अमेरिका और दुनिया ने एक असाधारण नेता, राजनेता और मानवतावादी खो दिया। छह दशक तक हमें जिमी कार्टर को अपना करीबी दोस्त कहने का सम्मान मिला, लेकिन जिमी कार्टर के बारे में असाधारण बात यह है कि अमेरिका और दुनिया भर के लाखों लोग जिन्होंने उनसे कभी मुलाकात नहीं की, वे भी उन्हें अपने करीबी दोस्त जैसा ही मानते थे।

**बराक ओबामा:** प्रेसिडेंट कार्टर ने हमें गरिमापूर्ण जीवन का अर्थ समझाया पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने जिमी कार्टर के निधन पर दुख जताया। उन्होंने कहा- राष्ट्रपति कार्टर ने हम सभी को सिखाया कि गरिमा, न्याय, सेवा और अनुग्रह से भरा जीवन जीने का क्या अर्थ होता है। मिशेल और मैं कार्टर परिवार और उन सभी के प्रति अपनी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं भेजते हैं, जिन्होंने इस बेमिसाल व्यक्ति से प्रेम किया और उनसे सीख ली।

**डोनाल्ड ट्रंप:** कार्टर ने हमारी जिंदगी सुधारने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाई अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि राष्ट्रपति के तौर पर जिमी कार्टर ने एक अमिट धरोहर छोड़ी है। जिमी उस वक्त राष्ट्रपति रहे जब अमेरिका एक महत्वपूर्ण समय से गुजर रहा था। इस दौरान उन्होंने कई चुनौतियों का समाना किया और सभी अमेरिकियों का जीवन सुधारने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाई।

## तालिबान ने घरों में खिड़कियां बनाने पर रोक लगाई

**काबुल, एजेंसी।** अफगानिस्तान में तालिबान सरकार आने के बाद से महिलाओं पर लगातार कई तरह के प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। शनिवार को भी तालिबान ने आदेश जारी कर घरेलू इमारतों में उन जगहों पर खिड़कियां बनाने पर बैन लगा दिया, जहां से महिलाओं के नजर आने की संभावना हो। उन्होंने इसके पीछे अश्लीलता रोकने के हवाला दिया गया। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने शनिवार को जारी बयान में कहा- नई इमारतों में ऐसी खिड़कियां नहीं होनी चाहिए जिनसे आंगन, रसोई, पड़ोसी का कुआं और आमतौर पर महिलाओं द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली अन्य जगहों को देखा जा सके। तालिबानी प्रवक्ता के अनुसार महिलाओं को रसोई में, आंगन में या कुओं से पानी भरते हुए देखना अश्लीलता को जन्म दे सकता है। अफगानिस्तान में नगर निगम अधिकारियों को आदेश दिया गया है कि वो नई बन रही इमारतों पर नजर रखें। इससे यह तय किया जाएगा कि इन इमारतों में ऐसी खिड़कियां न बनाई जा सकें जिनसे पड़ोसी के घर में झांक सकें। आदेश में कहा गया है कि अगर ऐसी खिड़कियां पहले से मौजूद हैं, तो मकान मलिकों को इनके सामने ईंटों की दीवार बनाने के लिए कहा जाएगा। महिलाओं के खिलाफ लगातार जारी कर रहे तुगलकी फरमान तालिबान अफगानिस्तान की हुकूमत में वापसी के बाद से लगातार महिलाओं के खिलाफ तुगलकी फरमान जारी कर रहा है। इससे पहले इसी महीने तालिबान ने अफगानिस्तान में महिलाओं की नर्सिंग की ट्रेनिंग पर बैन लगा दिया था। इसके पीछे की वजह भी नहीं बताई गई थी। वही इसी साल अगस्त में अफगान महिलाओं के सार्वजनिक रूप से बोलने और चेहरा दिखाने पर रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही कहा गया था कि महिलाएं बहुत जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें।

## इथियोपिया में भीषण सड़क हादसा: 66 लोगों की मौत

**बोना जुरिया, एजेंसी।** इथियोपिया के दक्षिणी हिस्से में एक बड़ा सड़क हादसा हुआ जिसमें 66 लोगों की मौत हो गई। हादसा राजधानी अदीस अबाबा से करीब 300 किलोमीटर दूर सिदामा राज्य के बोना जुरिया इलाके में हुआ। एक कार और लोगों से भरी गाड़ी हादसे का शिकार हुई। टक्कर लगने के बाद कार और बस नहर में गिर गई। लोगों ने बचाव अभियान चलाते हुए पीड़ितों को नहर से निकाला, लेकिन तब तक 66 लोग दम तोड़ चुके थे। स्थानीय बोना जनरल अस्पताल में 4 लोगों का उपचार जारी है।

**कैसे हुआ हादसा :** एक कार और यात्रियों से भरी बस की टक्कर गेलाना ब्रिज के पास हुई। टक्कर के बाद दोनों वाहन नहर में गिर गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया और पानी में डूबे लोगों को बाहर निकाला लेकिन तब तक 66 लोगों की जान जा चुकी थी। सिदामा रीजनल हेल्थ ब्यूरो ने फेसबुक पर पोस्ट कर हादसे की पुष्टि की और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। ब्यूरो की शेयर की गई तस्वीरों में पानी में डूबे वाहन और आसपास मदद करते लोग नजर आए। कुछ शव नीले तिरपाल से ढके हुए जमीन पर पड़े थे। बता दें कि यह हादसा पूरे क्षेत्र में गहरा शोक लेकर आया है। प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है और पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता देने का भरोसा दिलाया है।

# एलन मस्क ने अमेरिका में एच-1बी वीजा कार्यक्रम पर फिर उठाए सवाल; बोले- इसमें बड़े सुधार की जरूरत

**वाशिंगटन, एजेंसी।** एच-1 बी वीजा कार्यक्रम पर अरबपति टेक दिग्गज एलन मस्क ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली अव्यवस्थित है। इसमें बड़े सुधार की जरूरत है। एलन मस्क और भारतीय मूल के राजनेता विवेक रामास्वामी लगातार एच-1बी वीजा का समर्थन कर रहे हैं। इसे लेकर दोनों नेता नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों से भी भिड़ चुके हैं।

एक्स पर पोस्ट में एलन मस्क ने कहा कि एच-1 बी वीजा प्रणाली अव्यवस्थित है और इसमें बड़े सुधार की जरूरत है। एक एक्स यूजर ने लिखा था कि अमेरिका को विश्व की सर्वाधिक विशिष्ट प्रतिभाओं के लिए गंतव्य बनना चाहिए, मगर एच-1 बी वीजा कार्यक्रम इसका सही तरीका नहीं है। इसके जवाब में मस्क ने लिखा कि न्यूनतम वेतन में उल्लेखनीय वृद्धि करके और वार्षिक जरूरी लागत जोड़कर एच-1 बी वीजा को ठीक किया जा सकता है। जिससे घरेलू स्तर की तुलना में विदेशों से भर्ती करना अधिक महंगा हो जाएगा। पिछले सप्ताह मस्क ने कहा था कि अमेरिका में काफी कम उच्च प्रशिक्षित कर्मचारी होते हैं और अगर अमेरिका को आगे भी तरक्की करते रहना है तो विदेशों से कुशल कर्मचारियों को लाना बेहद जरूरी है। मस्क के समर्थन में भारतीय मूल के राजनेता विवेक रामास्वामी ने कहा था कि अमेरिका की संस्कृति लंबे समय से उत्कृष्टता को छोड़कर सिर्फ औसत दर्जे को महत्व देती है।

उन्होंने कहा था कि टेक कंपनियां अधिकतर विदेश में जन्मे इंजीनियरों को भर्ती करती हैं, इसलिए नहीं क्यों अमेरिका में बुद्धिमता की कोई कमी है, बल्कि ऐसी संस्कृति की वजह से जिसमें मैथ्स ओलंपियाड चैंपियन के ऊपर प्रॉम क्वीन ज्यादा सेलिब्रेट किया जाता है। उन्होंने कहा कि बिना जबरदस्त प्रतिभा को अमेरिका लाए, देश चीन से पिछड़ सकता है।

**कैसे शुरू हुआ एच-1 बी वीजा विवाद :** एच-1 बी वीजा विवाद के केंद्र में एक डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से अपनी आने वाली सरकार के लिए की गई एक नियुक्ति है। यह नियुक्ति है भारतवंशी श्रीराम कृष्णन की, जिन्हें ट्रंप ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से जुड़े मामलों का सलाहकार बनाया है। उनकी नियुक्ति को लेकर ट्रंप के अतिवादी समर्थकों ने नाराजगी जाहिर की है। एक अतिवादी ट्रंप समर्थक लॉरा लूमर ने कृष्णन की नियुक्ति को परेशान करने वाला करार दिया। उन्होंने कृष्णन के उस बयान की आलोचना की, जिसमें कृष्णन ने कौशल रखने वाले योग्य विदेशी कामगारों के लिए वर्क वीजा और ग्रीन कार्ड देने की पैरवी की थी। लूमर ने कहा कि यह ट्रंप की आव्रजन नीतियों के बिल्कुल खिलाफ है। निक्की हेली और मैट गेट्ज जैसे नेताओं का भी आव्रजन नीति को लेकर रुख लॉरा लूमर जैसा ही है। हालांकि एलन मस्क ने इसके उलट विचार साझा किए। मस्क ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा कि अमेरिका में बेहतरीन इंजीनियरिंग टैलेंट की कमी रही है। इससे सिलिकॉन वैली को नुकसान होगा। उन्होंने आगे कहा, क्या आप अमेरिका को जीतते देखना चाहते हो या अमेरिका को हराना चाहते हैं? अगर आप दुनिया के बेहतरीन प्रभावशाली लोगों को दूसरे पक्ष के लिए खेलने देंगे, तो अमेरिका हार जाएगा।

## अल्पसंख्यकों की रक्षा में मदद करें डोनाल्ड ट्रंप, बांग्लादेशी अमेरिकी हिंदुओ ने ट्रंप से किया आग्रह

**वाशिंगटन, एजेंसी।** बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के साथ शुरू हुई हिंसा ने बांग्लादेश की राजनीति पूरी तरह से बदल दी। इसी बीच बांग्लादेश में बढ़ते धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार की खबरों को देखते हुए बांग्लादेशी अमेरिकी हिंदुओं, बौद्धों और ईसाइयों के एक गठबंधन ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ज्ञापन भेजा है। इसमें समूह ने ट्रंप से बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों की रक्षा में मदद करने का आग्रह किया है।

**चिन्मय दास की रिहाई की भी उठाई मांग :** समूह ने ट्रम्प से संत चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया, जिन्हें देशद्रोह के आरोप में गलत तरीके से गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि इस्कॉन नेता चिन्मय दास को 25 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने बांग्लादेश के झंडे का अपमान किया था। चटगांव की अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी और उन्हें जेल भेज दिया। इस मामले की सुनवाई 2 जनवरी, 2025 को होगी।

**गठबंधन ने ट्रंप को भेजा ज्ञापन :** गठबंधन ने ट्रम्प को एक ज्ञापन भेजकर बांग्लादेश की संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में भागीदारी को उस देश में जातीय और धार्मिक उत्पीड़न की समाप्ति से जोड़ने का सुझाव दिया। ज्ञापन में बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा के लिए एक व्यापक ÷अल्पसंख्यक संरक्षण अधिनियम÷ बनाने की भी सिफारिश की गई है। इसके अलावा, उन्होंने सुरक्षा क्षेत्रों की स्थापना, अल्पसंख्यकों के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्रों की व्यवस्था और धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा के लिए घृणा अपराधों और अभद्र भाषा के खिलाफ कड़े कानूनों की मांग की है।

**फिलीपींस में महसूस किये गए भूकंप के झटके : लूजोन , एजेंसी।** आज सुबह फिलीपींस के लूजोन शहर में भूकंप के झटके महसूस किए गए जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.6 मापी गई। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने बताया कि भूकंप का केंद्र धरती से 10 किलोमीटर गहराई में था। फिलीपीन एजेंसी फिवोल्क्स ने पुष्टि की कि यह झटके इलोकोस प्रांत के बांगुई इलाके में महसूस हुए। हालांकि अभी तक जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। भूकंप के कारण लोग अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए लेकिन राहत की बात यह है कि किसी प्रकार की हानि नहीं हुई। विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि इस तीव्रता के भूकंप के बाद आगे और झटके आ सकते हैं।

## बांगलादेश को आतंकवाद का अगला हॉटस्पॉट बना रहा पाकिस्तान, खतरे में दक्षिण एशिया की सुरक्षा

**ढाका, एजेंसी।** पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई बांगलादेश में अपनी गतिविधियाँ बढ़ाकर इस क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रही है। हाल की खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, आईएसआई बांगलादेश में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए कई रणनीतियों का उपयोग कर रहा है, जिसका असर न केवल बांगलादेश, बल्कि समग्र दक्षिण एशिया पर हो सकता है। पाकिस्तान की ढ्स्ढ्र का दक्षिण एशिया के राजनीति और सुरक्षा में गहरा हस्तक्षेप है। बांगलादेश में हाल ही में ढ्स्ढ्र की गतिविधियाँ बढ़ी हैं, जहां वह न केवल क्षेत्रीय उद्देश्यों के लिए काम कर रहा है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहता है। रिपोर्टों के अनुसार, ढ्स्ढ्र को बांगलादेश की अंतरिम सरकार के कुछ प्रभावशाली नेताओं से अप्रत्यक्ष समर्थन प्राप्त है, जिससे इस स्थिति की गंभीरता बढ़ जाती है।

इन गतिविधियों के बीच मोहम्मद युनुस, जो बांगलादेश के प्रमुख राजनीतिक व्यक्तित्व हैं और अंतरिम सरकार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, पर आईएसआई के साथ संबंध होने का आरोप है। युनुस ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर विवादास्पद बयान दिए हैं, जिससे भारत-बांगलादेश संबंधों में और तनाव बढ़ा है। ढ्स्ढ्र बांगलादेश में अपनी घुसपैठ को मजबूत करने के लिए समुद्री मार्गों का उपयोग कर रहा है। पाकिस्तान से बांगलादेश आने वाले जहाजों में हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी की जा रही है। ये आपूर्ति न केवल क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन भी करती है। बांगलादेश में रहने वाले बिहारी समुदाय, जो लंबे समय से सामाजिक और राजनीतिक रूप से हाशिए पर है, को आईएसआई अपने उद्देश्यों के लिए उपयोग कर रहा है। इस समुदाय को आतंकवादी प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि उनका इस्तेमाल भारत के खिलाफ हमलों में किया जा सके। आईएसआई का रिहांग्या विद्रोहियों के साथ सहयोग भी एक महत्वपूर्ण समस्या है। आईएसआई, जिनमें हिज्बुल तहरीर और अन्य समूहों का हाथ है, इन विद्रोहियों को हथियार और विस्फोटक प्रदान कर रहा है। इस सहयोग का उद्देश्य केवल भारत की सुरक्षा को खतरे में डालना नहीं, बल्कि म्यांमार के राखिन राज्य में अस्थिरता फैलाना भी है। इन बढ़ती आईएसआई गतिविधियों का सीधा असर भारत और पूरे दक्षिण एशिया की सुरक्षा पर पड़ रहा है। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में पहले से मौजूद विद्रोहियों को ढ्स्ढ्र का समर्थन मिल रहा है, जिससे भारत की आंतरिक सुरक्षा को और भी खतरा हो सकता है। इसके अलावा, सीमा पार आतंकवाद और हथियारों की तस्करी से तनाव बढ़ सकता है। इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए, क्षेत्रीय देशों को मिलकर जवाबी कार्रवाई करनी चाहिए।

# क्रोएशिया में राष्ट्रपति चुनाव में किसी को बहुमत नहीं:50 प्रतिशत आंकड़ा पार नहीं कर पाया कोई उम्मीदवार

**जाग्रेब, एजेंसी।** यूरोपीय देश क्रोएशिया में राष्ट्रपति चुनाव के लिए रविवार को वोटिंग पूरी हो गई है। राष्ट्रपति पद की रेस में कुल 8 उम्मीदवार थे। किसी भी उम्मीदवार को बहुमत के लिए जरूरी 50प्रतिशत वोट नहीं मिले हैं। वर्तमान राष्ट्रपति जोरान मिलनोविच ने सबसे ज्यादा 49प्रतिशत वोट हासिल किए हैं। जोरान के बाद एचडीजेड पार्टी के उम्मीदवार ड्रैगन प्रिमोरैक 19प्रतिशत वोट के साथ दूसरे रहे। अब दोनों नेताओं के बीच 12 जनवरी को राष्ट्रपति पद के लिए दूसरे राउंड की वोटिंग होगी। चुनाव से पहले हुए सर्वे में भी इसका अनुमान था। इन दोनों के अलावा 6 और उम्मीदवार भी मैदान में थे, जिनमें से 3 महिलाएं थीं। रॉयटर्स के मुताबिक हाल के सर्वे से पता चला है कि मौजूद राष्ट्रपति जोरान मिलनोविच लोगों की पहली पंसद हैं।जोरान मिलनोविच को विपक्षी सोशलिस्ट डेमोक्रेट्स पार्टी का समर्थन हासिल है। उन्होंने 2020 में भी इसी पार्टी के समर्थन से राष्ट्रपति चुनाव जीता था। मिलनोविच क्रोएशिया के प्रधानमंत्री भी रह चुके हैं। चुनाव से पहले के एक सर्वे में मिलनोविक को 37.2प्रतिशत और प्रिमोरैक को 20.4प्रतिशत लोगों ने अपनी पहली पसंद बताया था। वोट डालने के बाद राष्ट्रपति मिलनोविच ने कहा- मैं अपने लोगों से अपील करता हूं कि वे बाहर निकलें और वोट करें और मेरा समर्थन करें। वहीं प्रिमोरैक ने राजधानी जाग्रेब में वोट डालने के बाद कहा- आज क्रोएशिया के नागरिक अपने भविष्य, अपनी मातृभूमि के भविष्य के बारे में फैसला कर रहे हैं। हर एक वोट बेहद महत्वपूर्ण है। राष्ट्रपति ने यूक्रेन की मदद करने पर ईयू की आलोचना की थी राष्ट्रपति मिलनोविच ने राष्ट्रपति रहते यूक्रेन को

मदद देने के लिए यूरोपियन यूनियन और नाटो की तीखी आलोचना की थी। इस मुद्दे पर उनकी क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच से भी तकरार काफी ज्यादा बढ़ गई थी। क्रोएशिया में राष्ट्रपति कानून पर वीटों नहीं लगा सकते, लेकिन विदेश नीति, डिफेंस और सिक्योरिटी मामलों में उनकी राय काफी मायने रखती है। 55,960 वर्ग किमी में फैला है क्रोएशिया बता दें कि क्रोएशिया मध्य और दक्षिण-पूर्व यूरोप में एड्रियाटिक सागर के किनारे स्थित एक देश है। 55,960 वर्ग किमी क्षेत्रफल वाले इस देश की आबादी 38.75 लाख है। कोएशिया उत्तर में स्लोवेनिया और हंगरी, पूर्व में सर्बिया और बोस्निया-हर्जेगोविना और दक्षिण में मोंटेनेग्रो के साथ बॉर्डर शेयर करता है। इसके अलावा पश्चिम में इटली के साथ इसकी समुद्री सीमा लगती है।

# सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, मंगलवार 31 दिसम्बर 2024 | 8


जिले भर में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत 15 दिसम्बर से 26 जनवरी तक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए आवेदन पत्र भरवाए जा रहे हैं।

## चित्रकूट के विकास कार्यों को तेजी से पूरा कराएं : मुख्यमंत्री

**रीवा।** वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने संभागीय बैठक के एजेण्डा बिन्दुओं की विभागवार समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में विकास कार्यों को गति देने के लिए संभागीय बैठकें आयोजित की जा रही हैं। कमिश्नर और कलेक्टर विभिन्न विभागों के विकास कार्यों की प्रस्तावित कार्ययोजना में जनप्रतिनिधियों के सुझावों को शामिल करें। चित्रकूट क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कार्ययोजना तैयार करें। प्रमुख सचिव चित्रकूट में जाकर जनप्रतिनिधियों के सुझाव के अनुसार कार्ययोजना बनाएं। वर्तमान में जो कार्य स्वीकृत हैं उनको तेजी से पूरा कराएं। कमिश्नर और कलेक्टर सतना चित्रकूट के विकास पर विशेष ध्यान दें। मैहर में माँ शारदा लोक निर्माण में मंदिर निधि और जनसहयोग को भी शामिल करें। संस्कृति विभाग और पर्यटन विभाग के अधिकारी शारदा लोक निर्माण के संबंध में समस्त कार्यवाहियाँ पूरी करके कार्य शुरू कराएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीधी से सिंगरौली हाईवे के निर्माण कार्य में प्रगति हुई है। लेकिन इसका अधिक तेजी से कार्य कराएं। मैहर शहडोल मार्ग में छोटी महानदी के क्षतिग्रस्त पुल में सुधार कार्य भी प्राथमिकता से कराएं। मऊगंज, रीवा, सीधी और सिंगरौली जिले को सिंचाई सुविधा देने के लिए स्वीकृत सीतापुर-हनुमना उद्वहन सिंचाई परियोजना में निर्माण कार्य शुरू करने के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। इस परियोजना का विस्तृत डीपीआर तैयार करें। मुख्यमंत्री ने सोन घड़ियाल अभ्यारण्य के डिनोटिफिकेशन के संबंध में कहा कि इसका प्रस्ताव भेजा जा चुका है। पर्यावरण तथा वन विभाग द्वारा इस पर कार्यवाही की जा रही है। मैहर और मऊगंज जिलों में विभागीय मद से संयुक्त जिला कार्यालय के निर्माण का प्रस्ताव भेजा गया है। इस पर शीघ्रता से कार्यवाही करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कमिश्नर रीवा क्षेत्र का भ्रमण करके विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करें। कलेक्टर सतना चित्रकूट विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष के रूप में निर्धारित भूमिका के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करें। विभिन्न परियोजनाओं के निर्माण कार्यों में पर्यावरण तथा वन विभाग की स्वीकृति समय पर जारी करें। मुख्यमंत्री ने बगदरा गो वन्य विहार निर्माण, सिंगरौली में सड़क निर्माण तथा सिंचाई परियोजनाओं के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी छात्रावासों का नियमित रूप से निरीक्षण कर विद्यार्थियों के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सतना जिले में बगदरा घाटी में गौ वन्य विहार निर्माण, महानदी में क्षतिग्रस्त पुल की मरम्मत, सिंगरौली जिले के सरई में बाईपास निर्माण, सीधी-सिंगरौली हाईवे निर्माण एवं सीतापुर-हनुमना सिंचाई परियोजना के संबंध में सुझाव दिए। सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने सोहागी घाटी में सुधार तथा विधायक चित्रकूट श्री सुरेन्द्र सिंह गहरवार ने चित्रकूट में सड़कों के निर्माण, गेस्टहाउस निर्माण चित्रकूट नगर के विकास की कार्ययोजना तथा पर्यटन विकास के संबंध में सुझाव दिए। सांसद सीधी डॉ राजेश मिश्रा, विधायक सिहावल श्री विश्वामित्र पाठक तथा विधायक धौहनी श्री कुंवर सिंह टेकाम ने सीधी-सिंगरौली रेलवे लाइन निर्माण, सीधी-सिंगरौली हाईवे निर्माण, गोड़ सिंचाई परियोजना तथा देवसर क्षेत्र में सीमेंट फैक्ट्री निर्माण का सुझाव दिया। विधायक अमरपाटन डॉ राजेन्द्र सिंह ने जलजीवन मिशन से अमरपाटन तथा रामनगर परिषद एवं औद्योगिक क्षेत्र को पानी की आपूर्ति, रामनगर माइक्रो सिंचाई परियोजना का कार्य पूरा कराने तथा मैहर जिले के कुछ जिला स्तरीय कार्यालय अमरपाटन में स्थापित करने का सुझाव दिया। विधायक मऊगंज श्री प्रदीप पटेल ने कलेक्ट्रेट भवन निर्माण के संबंध में सुझाव दिए।

बैठक में कमिश्नर रीवा बीएस जामोद ने संभागीय बैठकों के निर्णयों तथा पालन प्रतिवेदन की विभागवार जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब तक आठ संभागीय बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इनमें 58 बिन्दुओं में पारित प्रस्तावों और निर्णयों में से 43 पर आंशिक रूप से कार्यवाही पूरी कर ली गई है। शेष सभी निर्देशों संबंधित विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है। चितरंगी में कालेज में समाजशास्त्र, गृह विज्ञान और वाणिज्य संकाय की कक्षाएं अगले सत्र से शुरू होंगी। चित्रकूट के विकास के लिए दो कार्ययोजनाएं तैयार कर ली गई हैं। संभागीय निर्णय के परिपालन में रीवा में अनुसूचित जाति और जनजाति के दो छात्रावास किराये के भवनों में शुरू कर दिए गए हैं।

## उप मुख्यमंत्री ने रीवा संभाग में एमपीआरडीसी के निर्माण कार्यों की समीक्षा की

**रीवा।** उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने मंत्रालय में रीवा संभाग में मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) की महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि सभी परियोजनाओं में गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए ताकि आमजन को इन महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का शीघ्र लाभ मिल सके।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सीधी से सिंगरौली 4-लेन (लंबाई 105.59 किमी) और रीवा बायपास (लंबाई 19.20 किमी) के निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ कार्यों को पूर्ण किया जाए। बताया गया कि सीधी-सिंगरौली मार्ग का शेष निर्माण कार्य 30 जून 2025 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। रीवा बायपास का कार्य आगामी दो वर्षों में पूर्ण किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल को बताया गया कि रीवा-बायपास के लिए आरओडब्ल्यू उपलब्ध है और चिन्हांकन का कार्य प्रगतिरत है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आगामी शहडोल रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव को ध्यान में रखते हुए संबंधित सड़क निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने रीवा-शहडोल मार्ग (टेटका मोड़ तक एसएच-57) की प्रगति की समीक्षा की और वन विभाग द्वारा पूर्व में स्वीकृत मार्ग के सुदृढ़ीकरण के कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। एमडी एमपीआरडीसी श्री अविनाश लवानिया सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

## व्हाइट टाइगर सफारी में नए साल में पर्यटकों के लिए रहेगा विशेष प्रबंध

रीवा

वर्ष के अंतिम दिन 31 दिसम्बर और नए वर्ष के आगमन एक जनवरी को महाराजा मार्तण्ड सिंह व्हाइट टाइगर सफारी मुकुंदपुर में पर्यटकों के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। इन दोनों दिनों में पर्यटकों की बड़ी संख्या का अनुमान करके अतिरिक्त व्यवस्थाएं की गई हैं। इस संबंध में व्हाइट टाइगर सफारी के संचालक ने बताया कि इन दोनों दिवसों में आठ टिकट काउंटर बनाए गए हैं। वाहनों को व्यवस्थित करने के लिए दोपहिया वाहनों की दो तथा चार पहिया वाहनों की भी दो अलग-अलग पार्किंग बनाई गई है। नए साल में व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखने तथा पर्यटकों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। इसके साथ-साथ चिकित्सा दल एवं फायर ब्रिगेड भी तैनात रहेंगे। व्हाइट टाइगर सफारी में सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए सतना मण्डल के 58 वन कर्मी, रीवा वनमण्डल के 25 वनकर्मी, एक उप वनमण्डलाधिकारी तथा 2 वन परिक्षेत्र अधिकारी को तैनात किया गया है। वरिष्ठ अधिकारी व्यवस्थाओं की मॉनीटरिंग करेंगे। व्हाइट टाइगर सफारी के प्रवेश टिकट में पर्यटकों की सुविधा के लिए निर्देश अंकित किए गए हैं। इनका पालन करते हुए नए वर्ष की खुशियाँ मनाएं। नए साल में व्हाइट टाइगर सफारी आने वाले पर्यटक अपने साथ चल रहे बच्चों एवं बुजुर्गों का ध्यान रखें। वन्यप्राणियों के साथ न तो किसी तरह की छेड़छाड़ करें न ही उन्हें खाद्य सामग्री दें। सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से पर्यटकों की निगरानी की जाएगी। निर्देशों का उल्लंघन करने पर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी।

## मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में आज 12 ग्राम पंचायतों में लगेंगे शिविर

**रीवा।** पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ देने के लिए जिले भर में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के सभी विकासखण्डों में ग्राम पंचायतवार शिविर लगाये जा रहे हैं। इन शिविरों में शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही है साथ ही पात्र हितग्राहियों से आवेदन भरवाकर उन्हें हितलाभ का वितरण किया जा रहा है। इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती सपना त्रिपाठी ने बताया कि 31 दिसंबर को अनुभाग रायपुर कर्चुलियान में बड़ागांव और बघमड़ा में तथा अनुभाग हुजूर में जेरूका तथा करहिया नम्बर दो में शिविर लगेंगे। अनुभाग जवा में ग्राम पंचायत देवरी और खाझा में तथा अनुभाग मनगवां में बुड़वा और आलमगंज में शिविर लगाये जायेंगे। इसी तरह अनुभाग त्योंथर में ग्राम पंचायत जमुईकला और कलवारी में तथा अनुभाग सिरमौर में नेबूहा और हर्दी कला में शिविर लगाये जायेंगे। आमजनता से इन शिविरों से लाभ उठाने की अपील की गई है।

## एसडीएम सिरमौर ने अन्नदूत के वाहन मालिक और चालक पर की कार्यवाही

### खाद्यान्न पहुंचाने में अनियमितता पाए जाने पर अन्नदूत वाहन को किया गया जब्त

रीवा

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत उचित मूल्य की दुकानों से खाद्य सुरक्षा योजना के पात्र राशन कार्डधारियों को हर माह खाद्यान्न का वितरण किया जाता है। वेयरहाउस से उचित मूल्य दुकानों तक खाद्यान्न पहुंचाने के लिए अन्नदूत वाहन का उपयोग किया जाता है। सिरमौर तहसील में उचित मूल्य दुकान के लिए खाद्यान्न परिवहन करने वाला अन्नदूत वाहन क्रमांक एमपी 17 जेडजी 1712 निर्धारित स्थल के स्थान पर अन्यत्र खड़ा पाया गया। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देशों के अनुसार खाद्यान्न परिवहन में लापरवाही पाए जाने पर एसडीएम सिरमौर राजेश सिन्हा ने कार्यवाही की है। वाहन को जब्त करके थाना प्रभारी सिरमौर की सुपुर्दगी में सौंपा गया है। जब्त वाहन में 78 बोरी चावल, 8 बोरी नमक तथा 2 बोरी 10 किलो शक्कर बरामद हुई है। पंचनामा बनाकर इसके भी जब्ती की कार्यवाही की गई है। एसडीएम ने बताया कि थाना प्रभारी सिरमौर को प्रकरण में वाहन चालक तथा वाहन मालिक के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं।

## अपर कलेक्टर ने तीन समिति प्रबंधकों को दिया नोटिस

**रीवा।** जिले भर में निर्धारित खरीदी केन्द्रों में धान का उपार्जन किया जा रहा है। धान उपार्जन में लापरवाही बरतने तथा उपार्जित धान का समय पर परिवहन न कराने वाले तीन समिति प्रबंधकों को अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने कारण बताओ नोटिस दिया है। जारी अलग-अलग नोटिस में कहा गया है कि उपार्जित धान के परिवहन में लापरवाही बरतने के कारण खरीदी केन्द्र में धान बारिश से भीग गई है। इससे धान के क्षतिग्रस्त होने की आशंका है। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए अपर कलेक्टर ने समिति प्रबंधक सेवा सहकारी समिति खैरा क्रमांक एक एवं दो, समिति बहुरीबांध क्रमांक एक तथा समिति बिहरा को कारण बताओ नोटिस दिया है। नोटिस का तीन दिन में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर भीगी हुई धान की राशि की वसूली, समिति को ब्लैकलिस्ट करने तथा आपराधिक प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी।

## कलेक्टर आज करेंगी टीएल पत्रों की समीक्षा

**रीवा।** कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में 31 दिसम्बर को शाम 4 बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में बैठक आयोजित की गई है। बैठक में कलेक्टर टीएल पत्रों, धान उपार्जन, सीएम हेल्पलाइन तथा मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान की समीक्षा करेंगी। बैठक में संबंधित अधिकारियों तथा जनपद सीईओ, बीएमओ और नगर पंचायतों के सीएमओ को भी उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

## स्वस्थ और समृद्ध रीवा के सपनो को साकार करती सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल

**रीवा।** प्रदेश के उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने स्वस्थ रीवा समृद्ध रीवा के नारे को चरितार्थ करने के लिए लगातार प्रयास किये हैं। इस क्रम में कई नामीग्रामी बड़े अस्पतालों के सहयोग से जिला और विकासखण्ड स्तर पर शिविर लगाकर गंभीर रोग से पीड़ितों की जांच कराई गयी। गंभीर रोगियों को निःशुल्क उपचार सुविधा दी गयी। उप मुख्यमंत्री जी की विशेष पहल से विन्ध्य क्षेत्र को सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की सौगात मिली है। इसने भी स्वस्थ्य रीवा और समृद्ध रीवा के सपने को साकार करने में सराहनीय योगदान दिया है। वर्ष 2024 में सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में किटनी ट्रांसप्लांट के चार सफल ऑपरेशन किये गये। ऑपरेशन के बाद सभी मरीज पूरी तरह से स्वस्थ्य हैं।

सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का ह्मदय रोग विभाग ह्मदय के जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक करके विन्ध्य क्षेत्र का नाम रोशन कर रहा है। ह्मदय रोग विशेष डॉ. एसके त्रिपाठी तथा अन्य डॉक्टरों एवं उपचार कर्मियों की टीम ने कई जटिलतम एनजीयों प्लास्टिक आपरेशन किये। इसमें लेफ्टमैन, वाईफर्केशन, एनजीयो प्लास्टिक, सी.टी.ओ. एनजीयो प्लास्टिक तथा रेस्क्यू एनजीयो प्लास्टिक जैसे जटिल आपरेशन सफलतापूर्वक किये गये। सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल एक ही दिन में 17 एनजीयो प्लास्टिक के आपरेशन करने वाला प्रदेश का पहला शासकीय अस्पताल बना। ठण्ड का प्रकोप बढ़ने के साथ ह्मदय रोग पीड़ितों की संख्या में भी वृद्धि हो रही है। इन सभी को उचित उपचार सुविधा दी जा रही है। ह्मदय रोगियों के उपचार के लिए उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के विशेष प्रयासों से सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल को एक अतिरिक्त कैथलैब मशीन प्राप्त हो गयी है। इससे ह्मदय रोगियों के उपचार में तेजी आयी है। सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल में उपचार सुविधाओं को बेहतर करने के लिए डीन डॉ. सुनील अग्रवाल तथा हास्पिटल के अध्यक्ष डॉ. अक्षय श्रीवास्तव द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

## मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में अब तक 18906 आवेदन पत्र हुए मंजूर

**रीवा।** जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 11 दिसम्बर से 26 जनवरी तक मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले में 15 दिसम्बर से प्रत्येक विकासखण्ड की ग्राम पंचायतों तथा नगरीय निकाय के वार्डों में शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में आमजनता के आवेदनों पर मौके पर कार्यवाही करने के साथ पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। जिले में 15 दिसम्बर से 30 दिसम्बर तक आयोजित शिविरों में कुल 23791 आवेदन पत्र आमजनता से प्राप्त हुए। इनमें से 18906 आवेदन पत्र स्वीकार किए गए हैं। शेष 4547 आवेदन पत्रों में संबंधित विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है। अलग-अलग कारणों से 327 आवेदन पत्र अमान्य किए गए हैं। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि अब तक ग्रामीण क्षेत्र में कुल 20974 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से 16297 मंजूर किए गए हैं। विकासखण्ड त्योंथर में 10960, रायपुर कर्चुलियान में 1430, रीवा में 1514, सिरमौर में 1481, गंगेव में 1367 तथा जवा में 4222 आवेदन पत्र आमजनता से प्राप्त हुए हैं। इनमें से विकासखण्ड त्योंथर में 10636, रायपुर कर्चुलियान में 827, रीवा में 652, सिरमौर में 511, गंगेव 951 तथा जवा में 2720 आवेदन पत्र मंजूर किए गए हैं। शहरी क्षेत्र में कुल 2817 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से 2609 मंजूर किए गए हैं। नगर निगम रीवा में 1768, नगर पंचायत सिरमौर में 29, गुढ़ में 224, मनगवां में 116, गोविंदगढ़ में 15, सेमरिया में 141, चाकघाट में 197, त्योंथर में 73, डभौरा में 143 तथा नगर पंचायत बैकुण्ठपुर में 111 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से नगर निगम रीवा में 1745, नगर पंचायत सिरमौर में 20, गुढ़ में 206, मनगवां में 116, गोविंदगढ़ में 13, सेमरिया में 117, त्योंथर में 61, डभौरा में 118, चाकघाट में 102 तथा नगर पंचायत बैकुण्ठपुर में 111 आवेदन पत्र मंजूर किए गए हैं। शेष लंबित आवेदन पत्रों में संबंधित विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

## जिले भर में जनकल्याण शिविरों का लगातार हो रहा आयोजन

रीवा

जिले भर में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत 15 दिसम्बर से 26 जनवरी तक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए आवेदन पत्र भरवाए जा रहे हैं। साथ ही आमजनता के आवेदनों का मौके पर निराकरण किया जा रहा है। जिले के सभी विकासखण्डों में शिविरों का लगातार आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सपना त्रिपाठी ने बताया कि रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड के ग्राम बदवार में आयोजित शिविर में 139 आवेदन पत्र दर्ज किए गए। इनमें पेंशन, संबल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा खाद्य विभाग से संबंधित आवेदन पत्र शामिल रहे। विकासखण्ड गंगेव की ग्राम पंचायत पचपहरा में आयोजित शिविर में 11 तथा ग्राम पंचायत चौड़ियार में 90 आवेदन पत्र दर्ज किए गए। आज ही ग्राम पंचायत कांकर, ग्राम पंचायत चौड़ियार, ग्राम पंचायत बरहट, ग्राम पंचायत बसेड़ा में भी शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के साथ 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए जा रहे हैं।


आयुष्मान द्वारा निःशुल्क उपचार की सूवधा

अब रीवा (म.प्र.) के लाइफ केयर हॉस्पिटल में

लेज़र मशीन द्वारा

बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिसचुला (भगंदर), फिशर्स, पाइलोनाईडल सायनस एवं वेरिकोज वेन्स ऑपरेशन की सुविधा शुरू

लेजर फायदें
- अस्पताल में रहने की आवश्यकता नहीं
- ऑपरेशन के पश्चात कम से कम तकलीफ
- रक्तस्राव व दर्द कम एवं कम समय में ही अस्पताल से छुट्टी
- किसी भी पारंपरिक इलाज से बहुत प्रभावी एवं गुणकारी
- फिर से होने की संभावना सबसे कम
- कम से कम समय में काम पुनः शुरू कर सकते है

उपलब्ध सुविधाएँ
- आकस्मिक चिकित्सा इकाई
- गहन चिकित्सा
- खून जाँच एवं डिजिटल एक्स-रे केन्द्र
- दवाईयाँ
- प्रसूति कक्ष
- शल्य चिकित्सा कक्ष
- शल्य क्रियोतर कक्ष

आयुष्मान द्वारा निःशुल्क उपचार की सुविधा

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-

लाइफ केयर हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

जनता कॉलेज रोड, अनन्तपुर रीवा (म.प्र.)

8435896118, 9630131919, 7898847200



स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833